हिन्दी दैनिक
तीसरा विकल्प न्यूज़
(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 03, अंकः-264, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, मंगलवार 10 मार्च 2026

चैत्र नवरात्र के दृष्टिगत आलाधिकारियों की समीक्षा बैठक ...02

सत्या हॉस्पिटल में केक काटकर मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय...06

ईरान जंग से सेंसेक्स 1353 अंक गिरकर 77,566 पर बंद

ईरान जंग से कच्चा तेल 2022 के बाद सबसे महंगा

सोना चार दिन में 8797 सस्ता, 1.59 लाख पर आया

जंग का तिहरा आर्थिक प्रहार

कच्चे तेल में आग, रुपया पस्त और बाजार धड़ाम

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में ईरान से जुड़े युद्ध और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने भारत के वित्तीय बाजारों को बुरी तरह झकझोर दिया है और अर्थव्यवस्था के लिए खतरे की घंटी बजा दी है।

सोमवार को वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी तेजी के कारण भारतीय इक्विटी और मुद्रा (करेंसी) बाजार में चौतरफा बिकवाली देखने को मिली। इस संकट ने निवेशकों के करीब 12 लाख करोड़ रुपये स्वाहा कर दिए हैं। अर्थशास्त्रियों के अनुसार, भारत इस समय एक तिहरे प्रहार- महंगा कच्चा तेल, गिरते रुपये और शेयर बाजार में गिरावट का सामना कर रहा है। पश्चिम एशिया में ईरान-इस्राइल-अमेरिका युद्ध के कारण कच्चे तेल की सप्लाई बाधित होने का भारी डर पैदा हो गया है। इस दहशत के कारण सोमवार को सेंसेक्स 2,400 अंकों का गोता लगा गया, जबकि निफ्टी करीब 3त्न टूटकर 24,028.05 के स्तर पर आ गया। भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) तेजी से अपना पैसा निकालकर सुरक्षित विकल्पों (जैसे डॉलर) की ओर भाग रहे हैं, जिससे बाजार में बिकवाली की सुनामी आ गई। हालांकि बाजार बंद होते समय सेंसेक्स और निफ्टी अपने निचले स्तरों से संभलकर बंद हुए। भारत अपनी जरूरत का 89 प्रतिशत से ज्यादा कच्चा तेल आयात करता है। युद्ध शुरू होने के बाद से ब्रेंट क्रूड 50 प्रतिशत से अधिक उछलकर 117 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता होर्मुज जलडमरूमध्य है, जहां से हमारा रोजाना 26 लाख बैरल तेल गुजरता है। कतर के ऊर्जा मंत्री ने चेतावनी दी है कि अगर खाड़ी देशों के ऊर्जा निर्यात पर असर पड़ा, तो तेल की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। तेल महंगा होने से भारतीय आयातकों की ओर से डॉलर की भारी मांग पैदा हुई है। रिजर्व बैंक के दखल के बावजूद भारी दबाव के चलते रुपया 92.33 प्रति डॉलर के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर लुढ़क गया। रुपये की इस कमजोरी से न सिर्फ हमारा आयात बिल बढ़ेगा, बल्कि चालू खाता घाटा भी बढ़ेगा। जी हां! कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से लॉजिस्टिक्स, ट्रांसपोर्टेशन, विमानन और मैन्युफैक्चरिंग जैसे सेक्टर्स की लागत बढ़ जाएगी। इसका सीधा असर महंगाई पर होगा, क्योंकि माल ढुलाई महंगी होने से आम जरूरत की चीजें महंगी हो जाएंगी।

हालांकि वित्त मंत्री ने सोमवार को लोकसभा में देश को भरोसा दिया है कि क्रूड ऑयल की कीमतें भरते से तत्कालिक रूप से देश में महंगाई बढ़ने की आशंका नहीं है। दूसरी ओर, विश्लेषक निफ्टी की कंपनियों की आय में 12 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद कर रहे थे, उनका मानना है कि अब कंपनियों के मार्जिन सिकुड़ेंगे और अर्निंग रिकवरी शिथिल पड़ सकती है। राहत की बात यह है कि भारत इस बार पिछले संकटों की तुलना में काफी मजबूत स्थिति में है। सरकार के पास कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का 25 करोड़ (250 मिलियन) बैरल का बफर रिजर्व मौजूद है, जो सात से आठ हफ्ते की जरूरत पूरी कर सकता है। इसके अतिरिक्त, भारत ने अब 27 के मुकाबले करीब 40 देशों से तेल मंगाना शुरू कर दिया है।

खाड़ी देशों के अलावा रूस, पश्चिम अफ्रीका, अमेरिका और मध्य एशियाई देशों से भी आपूर्ति हासिल हो रही है। हमारा 60 प्रतिशत तेल अब वैकल्पिक रास्तों से आ रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार और मजबूत आर्थिक बुनियादी ढांचे (वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में चालू खाता घाटा मात्र 0.8 प्रतिशत) से भी अर्थव्यवस्था को एक सुरक्षा कवच मिला हुआ है। फिलहाल भारत के मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और विविध ऊर्जा स्रोतों ने अर्थव्यवस्था को एक ढाल प्रदान की है। लेकिन, अगर मध्य-पूर्व का यह युद्ध लंबा खिंचता है, तो महंगाई, कॉरपोरेट आय और रुपये के मोर्चे पर भारतीय अर्थव्यवस्था की कड़ी परीक्षा होगी।

आधे रास्ते से क्यों वापस लौटी इंडिगो फ्लाईट

नयी दिल्ली, एजेंसी। इंडिगो की दिल्ली से मैनचेस्टर जा रही उड़ान को हवाई क्षेत्र संबंधी प्रतिबंध के कारण आधे रास्ते से वापस लौटना पड़ा। एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने बताया कि उड़ान संख्या 6ई 033 ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से ब्रिटेन के मैनचेस्टर के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन अंतिम समय में हवाई क्षेत्र संबंधी प्रतिबंधों के कारण उसे रास्ते से दिल्ली वापस लौटना पड़ा। उड़ानों की ट्रैकिंग करने वाली स्वतंत्र एजेंसी फ्लाइट रडार के अनुसार, बोइंग 787-9 विमान ने रविवार-सोमवार की रात 12.43 बजे दिल्ली हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी।

मादा चीता ज्वाला ने दिए पांच शावकों को जन्म

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले स्थित कूनो नेशनल पार्क से वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में बड़ी खुशखबरी सामने आई है। नामीबिया से लाई गई मादा चीता ज्वाला ने पांच शावकों को जन्म दिया है। ज्वाला तीसरी बार मां बनी है और उसके इन नए शावकों के साथ कूनो में चीता परिवार और भी बड़ा हो गया है। पांच शावकों के जन्म के बाद भारत में जन्मे स्वस्थ चीतों की संख्या बढ़कर 33 हो गई है। यह भारत की धरती पर चीतों का दसवां सफल जन्म समूह है, जिसे प्रोजेक्ट चीता के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। पहली बार (पिछले करीब 100 सालों में) देश में चीतों की संख्या 50 के पार चली गई है।

डिलीवरी के 25-दिन बाद ही अब दूसरा सिलेंडर बुक होगा

सरकार ने 4 दिन समय बढ़ाया, ईरान जंग के बीच जमाखोरी रोकने के लिए फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की रीफिल बुकिंग के नियमों में बदलाव किया है। एएनआई ने सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया कि अब उपभोक्ता एक सिलेंडर डिलीवर होने के बाद दूसरा सिलेंडर 21 दिन के बजाय 25 दिन बाद ही बुक कर सकेंगे। मिडिल ईस्ट टेंशन के बीच सरकार ने यह कदम गैस की जमाखोरी रोकने और सभी उपभोक्ताओं को समान रूप से सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए उठाया है। पिछले कुछ समय से यह देखा जा रहा था कि जरूरत न होने पर भी लोग सिलेंडर बुक करके स्टॉक कर रहे थे। सरकार का मानना है कि वेटिंग पीरियड को 25 दिन करने से बेवजह की बुकिंग पर लगाम लगेगी। इससे उन लोगों को आसानी से सिलेंडर मिल सकेगा जिन्हें वाकई जरूरत है। 2 दिन पहले सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर 60 रुपए महंगा कर दिया है। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम की एलपीजी गैस अब 913 रुपए की मिल रही है। पहले यह 853 रुपए की थी। वहीं 19 किग्रा वाले कॉमर्शियल सिलेंडर में 115 रुपए का इजाफा किया गया है। यह अब 1883 रुपए का मिल रहा है। बढ़ी हुई कीमतें 7 मार्च से लागू हो गई हैं। इससे पहले सरकार ने 8 अप्रैल 2025 को घरेलू सिलेंडर के दामों में 50 रुपए का इजाफा किया था। यानी ये बढ़ोतरी करीब एक साल बाद की गई है। वहीं 1 मार्च 2026 को कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 31 रुपए तक बढ़ाए गए थे। सरकार ने गैस के दामों में बढ़ोतरी ऐसे वक्त की है जब अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के चलते देश में गैस की किल्लत की आशंका जताई गई है।

एआईएडीएमके के मास्क में तमिलनाडु को निगलना चाहती है भाजपा: स्टालिन

तिरुचिरापल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एम.के. स्टालिन ने तिरुचिरापल्ली में आयोजित पार्टी सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा और एआईएडीएमके पर करारा हमला बोला है। उन्होंने कहा, तमिलनाडु एनडीए को हमेशा ना कहेगा, क्योंकि केंद्र सरकार तमिलनाडु की मांगों और प्रतिनिधित्व को नजरअंदाज करती रही है। उन्होंने कहा कि राय में एनडीए के लिए हमेशा नो एंट्री रहेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा, एआईएडीएमके के मास्क का इस्तेमाल करके राय में अपनी पकड़ बनाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि लोग इस सचाई को पहचानते हैं और डीएमके इस मास्क को फाड़कर सचाई सामने लाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि भगवा राजनीति तमिलनाडु पर कब्जा करना चाहती है, लेकिन डीएमके ऐसा होने नहीं देगी। उनके अनुसार भाजपा धीरे-धीरे एआईएडीएमके को अपने प्रभाव में लेकर तमिलनाडु में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने अपने एआईएडीएमके प्रमुख एडप्पाडी के. पलानीस्वामी पर भी तीखा हमला बोला। सीएम स्टालिन ने आरोप लगाया कि पलानीस्वामी मुख्यमंत्री बनने के लिए भाजपा के गुलाम बन गए हैं। सीएम स्टालिन ने आगे कहा कि वह अपने जीवन को जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए समर्पित मानते हैं।

इजराइल ने ईरान पर फिर हमले शुरू किए, तेहरान इस्फहान समेत कई शहरों को निशाना बनाया

ईरान बोला, हमले जारी रहे तो बातचीत की गुंजाइश नहीं

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी जंग का आज दसवां दिन है। इजराइल ने एक बार फिर ईरान पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले शुरू किए हैं। इजराइली सेना के मुताबिक राजधानी तेहरान, इस्फहान और दक्षिणी इलाकों में ईरानी शासन से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर एयरस्ट्राइक किए जा रहे हैं। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि जब तक हमले जारी हैं, तब तक बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं है और ईरान निर्णायक जवाब देने पर ध्यान दे रहा है। लेबनान की राजधानी बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में भी कई एयरस्ट्राइक की खबरें सामने आई हैं। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की 28 फरवरी को यूएस-इजराइल के हमले में मौत हो गई थी।

अयातुल्ला 1989 में रुहोल्लाह खुमैनी के निधन के बाद से ईरान के सर्वोच्च नेता के पद पर काबिज थे। ईरान में 1979 की इस्लामिक क्रांति के दौरान, जब शाह मोहम्मद रजा पहलवी को हटाया गया तो खामेनेई ने क्रांति में बड़ी भूमिका निभाई थी। इस्लामिक क्रांति के बाद खामेनेई को 1981 में राष्ट्रपति बनाया गया था। वह 8 साल तक इस पद पर रहे। 1989 में ईरान के सुप्रीम लीडर खुमैनी की मौत के बाद उन्हें उत्तराधिकारी बनाया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक अयातुल्ला धर्मगुरु की एक पदवी है। ईरान के इस्लामिक कानून के मुताबिक, सुप्रीम लीडर बनने के लिए अयातुल्ला होना जरूरी है। यानी कि सुप्रीम लीडर का पद सिर्फ एक धार्मिक नेता को ही मिल सकता है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि उनका देश लाल सागर में यूरोपीय संघ के नौसैनिक मिशन एस्पाइड्स के तहत दो युद्धपोत भेजेगा। इसका मकसद समुद्री मार्गों और व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। मैक्रों ने कहा कि यह मिशन पूरी तरह रक्षात्मक और एस्कॉर्ट प्रकृति का होगा। इसके तहत फ्रांस के फ्रिगेट जहाजों की सुरक्षा और निगरानी का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि इस मिशन को यूरोपीय और गैर-यूरोपीय देशों के साथ मिलकर तैयार किया जा रहा है। यह बयान उन्होंने साइप्रस में ग्रीस के प्रधानमंत्री और साइप्रस के राष्ट्रपति के साथ बैठक के बाद दिया। ईरान युद्ध के बीच बढ़ती ऊर्जा कीमतों को लेकर जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि तेल और गैस की कीमतों में तेजी जर्मन अर्थव्यवस्था पर असर डाल सकती है।

पीयूष गोयल ने कहा

राहुल गाँधी के नेतृत्व में कांग्रेस हो गयी है दिशाहीन

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और वाणिय मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को लोक सभा में अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर निर्धारित चर्चा करने के बजाय दूसरा मुद्दा उछाल कर कार्यवाही बाधित करने के कांग्रेस के रवैये की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि यह विपक्षी पार्टी राहुल गांधी के नेतृत्व में पूरी तरह से विफल और दिशाहीन हो चुकी है। श्री गोयल ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा कि तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक समेत विपक्षी गठबंधन के सदस्य दल अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर कांग्रेस से दूर हो गये हैं। अध्यक्ष पर सदन का पूरा भरोसा है और कांग्रेस उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर अब चर्चा से भाग रही है। सांसद संविद पात्रा और अनिल बलूनी भी श्री गोयल के साथ थे। श्री गोयल ने कहा कि आज यह बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस बहस से भाग रही है। कांग्रेस के आग्रह पर (अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा का) नोटिस मंजूर किया गया था। अविश्वास प्रस्ताव ठीक से लिखा नहीं गया था। उसे दुरुस्त कर के कांग्रेस के साथ चर्चा के बाद उस पर बसह के लिए आज की तारीख तय हुई थी। पर वे आज दूसरा प्रस्ताव (पश्चिम एशिया का मुद्दा) लेकर आ गये। भाजपा नेता ने कहा कि जब से राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष बने हैं, उनके मन में शायद संसद चलाने की इछा ही नहीं है। वह सदन में व्यवधान पैदा करने की योजना बना कर आते हैं, बेबुनियाद विषयों पर सदन का समय खराब करते हैं। तख्ती लाते हैं। वह नेता प्रतिपक्ष के रूप में विफल हैं। ना तो संविधान समझते हैं, ना नैतिकता समझते हैं और ना ही उन्हें संसदीय प्रक्रियाओं की समझ है। श्री गोयल ने कहा कि आज एक महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा होनी थी, पर वह (श्री गांधी) उससे भागने की सोच कर आये थे। उन्होंने कहा , एक प्रस्ताव बहस के लिए मंजूर किया गया था लेकिन उसी समय वे एक दूसरा प्रस्ताव लेकर आ गये।

दिल्ली दंगों के आरोपी शरजील इमाम को राहत कोर्ट ने दी 10 दिन की अंतरिम जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली दंगों के आरोपी शरजील इमाम को कड़कड़डूमा कोर्ट ने सोमवार को बड़ी राहत मिली है। अदालत ने शरजील इमाम को अपने भाई की शादी में शामिल होने और बीमार मां की देखभाल करने के लिए 10 दिन की अंतरिम जमानत दी है। एडिशनल सेशन जज समीर बाजपेई की अदालत ने शरजील को 20 मार्च से 30 मार्च तक अंतरिम जमानत दी है। शरजील इमाम ने अदालत में अर्जी देकर 10 दिनों की अंतरिम रिहाई की मांग की थी। उनकी ओर से वकीलों ने दलील दी कि उनके सगे भाई की जल्द ही शादी होने वाली है, ऐसे में परिवार में उनकी मौजूदगी जरूरी है। साथ ही यह भी बताया गया कि उनकी मां की तबीयत काफी खराब है और उनकी देखभाल करने वाला कोई दूसरा नहीं है। इन परिस्थितियों और पारिवारिक जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए अदालत ने मानवीय आधार पर राहत देते हुए शरजील इमाम को 10 दिनों के लिए जेल से बाहर आने की अनुमति दे दी। दिल्ली के पूर्वोत्तर इलाकों में हिंसा उस समय हुई थी जब साल 2020 में नागरिकता संशोधन कानून और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को लेकर विरोध प्रदर्शन चल रहे थे। हिंसा और आगजनी के दौरान 53 लोगों की मौत हुई थी। आक्रोशित लोगों ने केंद्र सरकार के फैसलों- राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) और नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ प्रदर्शन किए थे। हालांकि, दिल्ली पुलिस के आरोपों में प्रदर्शनकारियों पर कई गंभीर आरोप लगाए गए।

मार्च में ही अप्रैल जैसी गर्मी!

गुरुग्राम में तापमान ने पिछले साल का तोड़ा रिकॉर्ड, हवा की सेहत में कुछ सुधार

गुरुग्राम, एजेंसी। हरियाणा के मिलेनियम सिटी में मार्च की शुरुआत में ही गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। सोमवार को तेज धूप और बढ़ते तापमान के कारण मौसम ने पिछले साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। आमतौर पर अप्रैल में महसूस होने वाली गर्मी का असर इस बार मार्च में ही दिखाई देने लगा है, जिससे लोगों की परेशानी बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 17.2 डिग्री सेल्सियस रहा। यह पिछले वर्ष के मुकाबले अधिकतम तापमान 3.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 1.6 डिग्री सेल्सियस अधिक है। वर्ष 2025 में नौ मार्च को अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान

15.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। दिन में तेज धूप के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और दोपहर के समय धूप में खड़े रहना भी असहज महसूस होने लगा है। हालांकि सुबह और शाम चलने वाली हल्की हवाओं से मौसम में थोड़ी राहत और हल्की ठंडक का अहसास बना हुआ है। वहीं हवा की गुणवत्ता में कुछ सुधार देखने को मिला है। सीपीसीबी के अनुसार, गुरुग्राम का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 257 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में आता है, लेकिन पिछले दिनों के मुकाबले स्थिति बेहतर मानी जा रही है। वहीं मानेसर में एक्यूआई 202 दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने 15 मार्च के आसपास बारिश की संभावना जताई है, जिससे तापमान में कुछ गिरावट आ सकती है।

एम्स की रिपोर्ट का दावा

दिल्ली के 30 प्रतिशत लोगों को आंखों की परेशानी मोबाइल फोन से बच्चों में बढ़ी नजर की समस्या

नई दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के अधिक उपयोग के कारण लोगों में आंखों से संबंधित समस्याएं बढ़ रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली के करीब हर तीसरे व्यक्ति (30 प्रतिशत) को किसी न किसी प्रकार की आंखों की समस्या से गुजरना पड़ रहा है। इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के अधिक इस्तेमाल के कारण दिल्ली के बच्चों में मायोपिया (निकट दृष्टि दोष) की समस्या लगातार बढ़ रही है। दिल्ली के 13.1 प्रतिशत बच्चों में मायोपिया रिकॉर्ड की गई है। खराब रहन-सहन और बिगड़ती जीवनशैली के कारण लोगों के समूचे स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है जिसमें आंखों पर भी नकारात्मक असर पड़ रहा है। एम्स की यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब दुनिया के अनेक देशों में बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल करने पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है। भारत में भी कई राज्य इस तरह की पहल करने की तैयारी कर रहे हैं। ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स), दिल्ली द्वारा जारी की गई इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दिल्ली के करीब 60 लाख लोग अनकरेक्टेड रिफ्रैक्टिव एरर या प्रेसबायोपिया (बढ़ती उम्र के बाद देखने की क्षमता में कमी आने की समस्या) से प्रभावित हैं।

ईरान जंग पर विपक्ष का दोनों सदनों में हंगाम, चर्चा की मांग

सरकार बोली, स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर बहस के लिए तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के बजट सत्र के दूसरे फेज के पहले दिन की लोकसभा की कार्यवाही खत्म हुई। विपक्ष ने अमेरिकी-इजराइल और ईरान जंग पर जमकर हंगामा किया। विपक्ष जंग के बाद पश्चिम एशिया में बने हालातों का भारत पर असर पर चर्चा की मांग करता रहा। सरकार ने कहा कि विपक्ष स्पीकर ओम बिड़ला के खिलाफ नो कॉन्फिडेंस मोशन लाई है, हम इस पर चर्चा करने पर तैयार हैं, विपक्ष चर्चा करे, लेकिन विपक्ष दूसरा मोशन ले आया है, जिसका विदेश मंत्री ने बहुत अच्छे से जबाव दिया है। इसके बाद सदन मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित किया गया। वहीं, आज विदेश मंत्री ने पहले राज्यसभा में और फिर लोकसभा में गल्फ देशों से भारतीयों

की वापसी और एनर्जी संकट को लेकर तैयारियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा- इस समय ईरान की लीडरशिप से कॉन्टैक्ट मुश्किल है, लेकिन भारत शांति और बातचीत के पक्ष में है। राज्यसभा में जब जयशंकर संबोधन दे रहे थे तब विपक्ष ने राज्यसभा का वॉक आउट किया। लोकसभा में उनके संबोधन के दौरान विपक्ष ने वी वॉन्ट डिस्कशन के नारे लगाए, खबू हंगामा किया। चेयर के बार-बार बोलने पर भी विपक्षी सांसद शांत नहीं हुए थे। राज्यसभा की कार्यवाही अभी जारी है। मौजूदा संघर्ष भारत के लिए भी चिंता की बात है। हम पड़ोसी हैं, और वेस्ट एशिया में स्थिरता बनाए रखना हमारी भी जिम्मेदारी है। खाड़ी देशों में एक करोड़ भारतीय रहते और काम करते हैं। ईरान में भी, कुछ हजार भारतीय पढ़ाई या नौकरी के लिए हैं। यह इलाका हमारी एनर्जी सिक्योरिटी के लिए बहुत जरूरी है और इसमें तेल और गैस के कई जरूरी सप्लायर शामिल हैं। सप्लाई चेन में रुकावटें और अस्थिरता गंभीर मुद्दे हैं। हमने दो भारतीय नाविकों (मर्चेंट शिपिंग) को खो दिया है, और एक अभी भी लापता है। मुंबई के शिपिंग डायरेक्टरेट जनरल ने 14 जनवरी को भारतीय नाविकों से कहा था कि वे एम्बेसी की एडवाइजरी मानें और किनारे पर बेवजह आने-जाने से बचें।

पश्चिम बंगाल में मुख्य चुनाव आयुक्त का विरोध

कोलकाता में लगे गो बैक के नारे और दिखाया गया काला झंडा

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल विधानसभा चुनावों की तैयारियों का जायजा लेने पहुंची चुनाव आयोग की फुल बेंच को सोमवार सुबह उस वक्त असहज स्थिति का सामना करना पड़ा, जब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के गृह इलाका कालीघाट में भारी विरोध झेलना पड़ा। सोमवार सुबह ज्ञानेश कुमार राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल के साथ कालीघाट मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंचे थे। उनके आगमन से पहले ही प्रदर्शनकारियों का एक बड़ा समूह मंदिर के बाहर जमा हो गया। जैसे ही मुख्य चुनाव आयुक्त मंदिर से बाहर निकले, प्रदर्शनकारियों ने उन्हें काले झंडे दिखाकर गो बैक के नारे लगाने लगे। प्रदर्शनकारियों का मुख्य आरोप मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर था। उनका दावा है कि एसआइआर प्रक्रिया के नाम पर मतदाता सूची से जानबूझकर कई वैध मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने चुनाव आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और इस प्रक्रिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की।

चैत्र नवरात्र के दृष्टिगत आलाधिकारियों की समीक्षा बैठक

⇨ नवरात्र मेला के तैयारियो के दृष्टिगत जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने प्रशासनिक भवन में अधिकारियो के साथ बैठक कर की समीक्षा
⇨ विंध्याचल क्षेत्र में भ्रमण कर कराए जा रहे कार्यो का किया भौतिक निरीक्षण
⇨ यूपीसीएल के द्वारा निर्माणाधीन शौचालयो के पूर्ण न होने पर लगाई फटकार, तेरह मार्च तक पूर्ण कर हैण्डओवर करने का दिया निर्देश
⇨ विंध्याचल मेला क्षेत्र सहित जनपद के प्रमुख दुर्गा मन्दिरो के प्रत्येक वाटर प्वाइंट पर हो पेयजल की आपूर्ति, टैंकरो की भी रहे पर्याप्त व्यवस्था

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मीरजापुर। विंध्याचल मां विंध्यवासिनी देवी के धाम में आगामी 18/19 मार्च 2026 की मध्य रात्रि से प्रारम्भ होने वाले चैत्र नवरात्र मेला की तैयारियो के दृष्टिगत जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार व पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने सम्बन्धित अधिकारियो/कार्यदायी एजेंसियो के साथ प्रशासनिक भवन विन्ध्याचल में बैठक कर एक-एक विभाग से किए जा रहे कार्यो की प्रगति के बारे में जानकारी ली। कार्यदायी यूपीसीएल के द्वारा रेलवे स्टेशन व रोडवेज सहित अन्य स्थानो पर बनाए जा रहे शौचालयो की प्रगति अत्यंत खराब होने पर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी फटकार लगाते हुए तेरह मार्च तक प्रत्येक दशा में पूर्ण कराते हुए हैण्डओवर करने का निर्देश दिया। शौचालयो में सीवर कनेक्टिविटी, प्रकाश व्यवस्था, पानी आपूर्ति की पर्याप्त व्यवस्था रहे। नगर पालिका परिषद मीरजापुर को निर्देशित करते हुए कहा

कि विन्ध्याचल के प्रत्येक गलियो व नालियो की सफाई समय से करा ली जाए। कूड़े का ढेर, प्लास्टिक पन्नी कही न रहे, नालियो का सीवर, मशीन लगाकर क्लीन कराया जाए। अखाड़ा घाट से दीवान घाट तक के रास्तो का मरम्मत, प्रकाश व्यवस्था व बेहतर साफ सफाई के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि बिजली के खम्भो, डिवाइडर व अन्य स्थानो पर अवैध रूप से लगे होर्डिंग, बैनर आदि को भी हटाया जाए। तीनो मन्दिरो के अलावा अस्थायी बिजली कनेक्शन लेने वालो की वायरिंग आदि की समुचित सत्यापन बिजली विभाग तथा विद्युत सुरक्षा विभाग द्वारा किया जाए ताकि कहीं भी असुरक्षित बिजली प्वाइंट न रहने पाए। खराब व टूटे पोल, ढीले तारो को व्यवस्थित करने का निर्देश दिया गया। 24 घण्टे विद्युत आपूर्ति व अतिरिक्त ट्रांसफार्मर की भी व्यवस्था समय से कर ली जाए। जल निगम विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि विन्ध्याचल मेला क्षेत्र के अलावा गड़बड़ा धाम, शीतलाधाम अदलहाट, दुर्गा मन्दिर चुनार सहित अन्य देवी मन्दिरो पर यह सुनिश्चित करे कि प्रत्येक वाटर प्वाइंट पर पेयजल आपूर्ति पर्याप्त हो। लोक निर्माण विभाग को सड़को की मरम्मत तथा जिला पंचायत एवं जिला पंचायत राज अधिकारी को अपने-अपने क्षेत्रो में पर्याप्त साफ सफाई व्यवस्था, पार्किग व्यवस्था, पार्किग पर रेट लिस्ट के साथ ही वाहन पार्किग पर कार्यरत कार्मिको का ड्रेस कोड व आई कार्ड भी होना अनिवार्य होगा। अखाड़ा घाट के सामने पीपा पुल के गंगा नदी के उस पार पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। पीपा पुल पर केवल पैदल यात्री ही आने जाने के लिए अनुमन्य होंगे। घाटो व मन्दिर परिसर में पर्याप्त बैरीकेटिंग, यात्री गहरे पानी में स्नानक करने न जाए नदी के पानी में बैरीकेटिंग आदि की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया गया। तत्पश्चात जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा विन्ध्याचल मन्दिर, नए वीआईपी, पुरानी वीआईपी मार्ग, पक्का घाट मार्ग, कोतवाली मार्ग सहित प्रत्येक घाटो पर भ्रमण कर व्यवस्थाओ के सम्बंध में निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियो को निर्देशित करते हुए कहा कि मेला के पूर्व सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाए ताकि आने वाले श्रद्धालुओ को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नितेश सिंह, डिप्टी कलेक्टर संजीव यादव के अलावा सभी सम्बन्धित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहें।

सड़क निर्माण मशीन में लगी भीषण आग,फायर ब्रिगेड ने समय रहते बुझाई आग

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। जनपद अयोध्या के रुदौली क्षेत्र के भेलसर गांव मोड़ पर सोमवार दोपहर लगभग 2 बजे सड़क निर्माण कार्य के दौरान एक मिक्सर मशीन में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही निर्माण स्थल पर अफरा-तफरी मच गई और आस पास मौजूद लोगों में दहशत का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही भेलसर चौकी इंचार्ज युवराज सिंह को तत्काल अवगत कराया गया। सूचना मिलते ही उन्होंने बिना देर किए तत्काल मौके के लिए रवाना होकर करीब दो मिनट के भीतर घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की टीम भी कुछ ही देर में मौके पर पहुंच गई और आग बुझाने का अभियान शुरू कर दिया। कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। हालांकि आग की चपेट में आकर मिक्सर मशीन पूरी तरह जलकर राख हो गई। घटना स्थल पर चौकी इंचार्ज युवराज सिंह अपने हमराही दुर्गा प्रसाद के साथ मौजूद रहे। वहीं फायर ब्रिगेड चालक राकेश मिश्रा सहित दमकल विभाग के कर्मचारी भी मौके पर डटे रहे। इसके अलावा फायर ब्रिगेड के अधिकारी सद्दाम हुसैन,अमित वाजपेई, रामबहादुर और अमित कुमार भी मौके पर मौजूद रहे और आग बुझाने में अहम भूमिका निभाई। प्रशासन और दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई के चलते आग को समय रहते नियंत्रित कर लिया गया,जिससे किसी भी प्रकार की जनहानि या बड़ा नुकसान होने से बचाव हो गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। प्रशासन द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

एम्पावरिंग द ग्लोबल साउथ' अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र (आईयूसीटीई), वाराणसी परिसर में सोमवार को सात दिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम द एडटेक कनेक्ट-एम्पावरिंग द ग्लोबल साउथ का शुभारंभ हुआ। यह कार्यक्रम भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के इंडियन टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन पहल के तहत आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य ग्लोबल साउथ देशों के बीच एडटेक के क्षेत्र में सहयोग, नवाचार और ज्ञान-साझेदारी को बढ़ावा देना है। उद्घाटन सत्र की शुरुआत मंगलाचरण, दीप प्रज्वलन तथा माँ सरस्वती और महामना मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर हुई। इस अवसर पर संस्थान के पिछले 11 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित एक वीडियो भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. शिव कुमार शर्मा (राष्ट्रीय संगठन मंत्री, विज्ञान भारती) ने कहा कि प्रभावी शिक्षण के लिए केवल तकनीक पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिक्षक को विद्यार्थियों की भावनाओं और सीखने की प्रक्रिया को समझना भी आवश्यक है। विशिष्ट अतिथि डॉ. अनिल कोठारी (महानिदेशक, एमपीसीएसटी, भोपाल) ने शिक्षा में डिजिटल तकनीक की बढ़ती आवश्यकता पर जोर दिया। वहीं विशेष अतिथि प्रो. बी. के. सिंह (आईआईआईटीडीएम, जबलपुर) ने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की अवधारणा को वैश्विक सहयोग के लिए महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. प्रेम नारायण सिंह, निदेशक, आईयूसीटीई ने की। दूसरे सत्र में प्रो. आशीष श्रीवास्तव (डीन, शैक्षणिक एवं शोध) ने एडटेक परिदृश्य, डिजिटल दक्षता, डेटा प्रबंधन उपकरणों तथा यूनिवर्सल डिज़ाइन फॉर लर्निंग (यूडीएल) जैसे विषयों पर चर्चा की। तीसरे सत्र में डॉ. राजा पाठक ने डिजिटल पेडागॉजी एंड फाउंडेशनल फ्रेमवर्क्स विषय पर व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम में श्रीलंका, कंबोडिया, घाना, किर्गिस्तान, मॉरीशस, थाईलैंड, युगांडा, उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान और इथियोपिया सहित 10 देशों के 24 शिक्षक प्रतिभाग कर रहे हैं। कार्यक्रम के निदेशक प्रो. आशीष श्रीवास्तव, समन्वयक डॉ. राजा पाठक तथा सह-समन्वयक डॉ. सुनील कुमार त्रिपाठी हैं। केंद्र के सभी संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने आयोजन में सक्रिय सहयोग दिया।

सारनाथ को 18 वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में बाबू जगत सिंह ने चिन्हित किया।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। प्रमाणिक दस्तावेजों एवं प्राथमिक ऐतिहासिक साक्ष्य के विस्तृत अध्ययन के बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण नई दिल्ली ने स्वीकार किया है कि वाराणसी में सारनाथ स्थल बाबू जगत सिंह के द्वारा कराए गए उत्खनन से सर्वप्रथम प्रकाश में आया है। उक्त मान्यता के आलोक में ही पत्रांक संख्या स्म.हृ.अ-17/10/2024-EE (35099) दिनांकित 10.02.2026 को सारनाथ परिसर में नए संशोधित शिलापट्ट को लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि बाबू जगत सिंह ने 18वीं सदी के उत्तरार्ध में सारनाथ क्षेत्र में उत्खनन संबंधी कार्य को आरंभ कराया था। लंबे समय तक इतिहास के पन्नों में यह तथ्य दबा रहा। विगत वर्षों में जगत सिंह रॉयल फैमिली प्रोजेक्ट शोध समिति के अथक परिश्रम और प्रामाणिक स्रोतों के आधार पर अब इसे आधिकारिक मान्यता मिल गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह निर्णय भारतीय इतिहास लेखन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। ज्ञातव्य रहे, पिछले वर्ष पत्रांक संख्या F.No.T-17/10/2024-EE दिनांकित 26.12.2024 को सारनाथ परिसर में धर्मराजिका शिलापट्ट को भी संशोधित कर नया शिलापट्ट लगाया गया है। बाबू जगत सिंह शोध समिति के संरक्षक प्रदीप नारायण सिंह के अनुसार यह कार्य भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से संपन्न हुआ है। बाबू जगत सिंह रॉयल फैमिली शोध समिति ने उन प्रमाणित दस्तावेजों को, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली के समक्ष रखा है, जिसके आधार पर औपनिवेशिक शासन के समय से चली आ रही गलत मान्यता अब समाप्त हुई है। शिलापट्ट परिवर्तन कार्य में काशी के विद्वानों, विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, जवाहरलाल नेहरू एवं कोलकाता विश्वविद्यालय, लखनऊ तथा पटना विश्वविद्यालय आदि के वर्तमान एवं अवकाश प्राप्त प्रवक्ताओं का हमें योगदान मिला है। वाराणसी गाइड एसोसिएशन एवं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली का भी हमें समर्थन मिला साथ ही काशी के धर्म गुरुओं, इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया, डिजिटल तथा आकाशवाणी का भी हमें समर्थन मिला है। उक्त योगदान और समर्थन के लिए हम आप सभी को हृदय से नमन करते हैं। इस निर्णय से वाराणसी सहित पूरे देश में प्रसन्नता की लहर है। बाबू जगत सिंह की छठवीं पीढ़ी के वंशज प्रदीप नारायण सिंह ने कहा यह हमारे पूर्वजों के आशीर्वाद आप सभी के सहयोग व समर्थन का ही परिणाम है कि आज उनके ऐतिहासिक योगदान को देश ने स्वीकारा है। यह केवल हमारे परिवार व समिति के लिए ही नहीं अपितु वाराणसी के साथ ही देश की ऐतिहासिक विरासत के लिए भी गर्व का विषय है सिंह ने कहा हमारा शोध निरंतर जारी है, आगे शीघ्र ही कुछ नए तथ्य प्रकाश में आएंगे, देश को उससे अवगत कराया जाएगा। पत्रकार वार्ता के दौरान शोध समिति के सदस्य, अधिवक्ता त्रिपुरारी शंकर, प्रोफेसर राणा पीबी सिंह, अरविंद कुमार सिंह एडवोकेट, अशोक आनंद, डॉ (मेजर) अरविंद कुमार सिंह, राजेंद्र कुमार दुबे वरिष्ठ पत्रकार, मनीष खत्री अवनीधर, एहसन अहमद, विकास एवं शमीम उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि सत्य और प्रमाणों पर आधारित, शोध अंततः अपना स्थान बना ही लेता है। इतिहासकारों का मत है कि इस निर्णय से न केवल सारनाथ के इतिहास को नया आयाम मिला है, अपितु स्थानीय नायकों के योगदान को भी राष्ट्रीय परिपेक्ष में पुन स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। सचमुच यह शोध भारतीय इतिहास के पन्नों में सच्चाई की नींव डालने जैसा है। प्रदीप नारायण सिंह ने आह्वान किया कि उपरोक्त अनुक्रम में नालंदा, भरूच, अमरावती इत्यादि स्थलों पर इतिहासकारों, शोधकर्ताओं को प्राथमिक ऐतिहासिक साक्ष्य के आधार पर नवीन शोध की आवश्यकता है।

वैदेही इनरव्हील क्लब का शानदार आगाज़।

डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन प्रिया नारायण का हुआ आगमन।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। होली के उल्लासमय वातावरण और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में, इनरव्हील क्लब (आई.डब्लू.सी.) वाराणसी वैदेही का आधिकारिक चेयरमैन विजिट कार्यक्रम लंका स्थित एक होटल में अत्यंत उत्साह के साथ संपन्न हुआ। माँ जानकी के नाम पर आधारित इस नए महिला क्लब के लिए यह सौभाग्य का विषय रहा कि डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन प्रिया नारायण जी ने पहली बार क्लब में पधारकर अपना आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने क्लब की पूरी टीम को कदम-कदम पर सहयोग और संबल देने का भरोसा दिलाया। सामाजिक सेवा कार्यों का शुभारंभ चेयरमैन प्रिया नारायण जी के कर-कमलों द्वारा क्लब के कई सेवा प्रोजेक्ट्स को अमली जामा पहनाया गया, जिनमें मुख्य रूप से शामिल रहे- एक संस्था को सिलाई मशीन का दान। गरीब बच्चों के भविष्य को संवारने हेतु स्टेशनरी एवं अन्य सामग्री का वितरण। कचरा/सामान बीनने वाली महिलाओं को पुराने अखबार और साड़ियाँ वितरित की गईं। कार्यक्रम का कुशल संचालन क्लब एडिटर दीपा सिंह और नेहा ने किया। कार्यक्रम के दौरान मधुलिका सिंह ने संस्था को सिलाई मशीन भेंट की। क्लब की अध्यक्ष वाणी भारद्वाज और सचिव वंदना झा ने पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की और सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया। होली के रंग में रंगे इस माहौल को और भी खुशनुमा बनाने के लिए अनीता राय ने विशेष तैयारी की थी, वहीं दीपा सिंह और नेहा झा ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आधारित प्रेरणादायक कविताओं से सभी महिलाओं में उत्साह भर दिया। इस अवसर पर क्लब की सदस्य जूही , पूजा , इंदु , किरण , प्रतिमा और सुधा सक्रिय रूप से शामिल रहीं। साथ ही अन्य क्लबों से रेखा मेहरा, सोनिया, सुनीता, विनीता और खुशबू सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। अंत में माधवी द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

आईसीएसई बोर्ड परीक्षा में फ़राज़ खान ने क्लास में हासिल किया दूसरा स्थान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। ब्लॉक मवई के अंतर्गत ग्राम चंद्रामऊ मंगा निवासी समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व समाजसेवी अलाउद्दीन खां के छोटे बेटे फ़राज़ खान ने आईसीएसई बोर्ड के 5 वीं कक्षा में 84.77 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुए अपने क्लास में दूसरा स्थान हासिल किया है। फ़राज़ खान अमेठी जिले के क्रिस्ट दा किंग इंटर कॉलेज,जगदीशपुर में शिक्षा अर्जित कर रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार सहित पूरे गांव में खुशी का माहौल है। परिणाम घोषित होने के बाद परिजनों,रिश्तेदारों और क्षेत्र के लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। परिजनों के अनुसार फ़राज़ खान शुरू से ही पढ़ाई के प्रति गंभीर और मेहनती रहे हैं। उनकी इस सफलता से क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों को भी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। गांव के लोगों और शुभचिंतकों ने भी फ़राज़ खान को शुभकामनाएं देते हुए उनके बेहतर भविष्य के लिए दुआएं दीं।

होली मिलन समारोह में खूब उड़े अबीर गुलाल ।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। अमरा - लाठियां स्थित काशी विश्वनाथ नगर कॉलोनी एवं बैजनाथ धाम नगर कॉलोनीवासियों की होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन हुआ। जिसमें उपस्थित लोगों ने डी.जे. की धुन पर डांस के साथ महिलाओं और बच्चों ने कई खेलों में भाग लिया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी योगेंद्र नाथ तिवारी विशिष्ट अतिथि समाजसेवी डॉ गणेश मिश्रा रहे। कार्यक्रम की शुरुआत कालोनीवासियों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर बधाई दी फिर फगुआ गीत, नृत्य से होली मिलन समारोह को और खूबसूरत बना दिया। कार्यक्रम के संयोजक विवेक सिंह ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम से लोगों में प्रेम सौहार्द के साथ आत्मविश्वास और रचनात्मकता का बढ़ावा मिलता है। अतिथियों का स्वागत अमित पाठक व डॉ आलोक तिवारी किया। कार्यक्रम का संचालन सीमा सिंह अंत में धन्यवाद ज्ञापन अमृता पाठक ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से राजेश सिंह, डिंपल, जया मिश्रा, गणेश मिश्रा, यू. एल.करण अनिल तिवारी, मोनी, अंजू, डॉ आलोक तिवारी, संजय सिंह, सुनीता, ब्रह्मानंद, विजय शेखर उपाध्याय, अनिता, कृष्ण कुमार तिवारी, आस्था, अजय सिंह, प्रियंका अश्वनी सिंह, प्रभाकर सिंह, रिंकी, रवि कुमार पाण्डेय, अभिभावक एवं अन्य गणमान्य लोग लोग उपस्थित थे।

23 मार्च को 'वंदे मातरम चौक' घोषित करने की मांग को लेकर डीएम को दिया जाएगा ज्ञापन- भिखारी प्रजापति

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश की वर्चुअल बैठक में प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति ने कहा कि 23 मार्च को शहीद दिवस के अवसर पर प्रदेश की सभी जिला इकाइयां जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर किसी व्यस्त चौक को 卐वंदे मातरम चौक卐 घोषित करने की मांग करेंगी। उन्होंने कहा कि चौक को शहीदों के चित्र, वंदे मातरम गीत की पट्टिका, भारत माता के चित्र और तिरंगे से सजाकर जिले का सबसे खूबसूरत चौक बनाया जाएगा। बैठक में सोशल मीडिया के माध्यम से अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया गया। साथ ही वाराणसी में मार्च माह के तीन प्रमुख कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई।

जय श्री कृष्णा फाउंडेशन द्वारा रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। नगर की प्रतिष्ठित सामाजिक धार्मिक एवं व्यवसायिक संगठन जय श्री कृष्णा फाउंडेशन द्वारा मोतीझील महमूरगंज में जेएसके होली का रंग स्टार शशिकांत पेडवाल डुप्लीकेट अमिताभ बच्चन के संग रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि श्री पियूष मोंगिया जी , अपर पुलिस महानिदेशक वाराणसी जोन रहे। इस अवसर पर डुप्लीकेट अमिताभ बच्चन शशिकांत पेडवाल ने होली माहौल को पूरी तरह से जेएस के परिवार के सदस्यों के साथ अमिताभ बच्चन के डायलाग, गीतों के साथ डांस पर समा बांधा। जिसपर लोगों खुब इंज्वॉय भी किया। इस अवसर पर पारंपरिक वेशभूषा, ढोल नगाड़ों, के साथ संगीत के साथ साथ डांस का आनंद लेते हुए आपस में अबीर गुलाल लगाकर समाज के लोगों के बीच आपसी प्रेम एवं भाईचारे का संदेश दिया । इस अवसर पर जेएसके फाउंडेशन के संस्थापक संजीव अग्रवाल ने फाउंडेशन की ओर से महिला दिवस की पूर्व संध्या पर के महानायक डुप्लीकेट अमिताभ बच्चन द्वारा काशी वीरांगना सम्मान कार्यक्रम के अन्तर्गत लगभग 250 काशी की विरांगनाओं को प्रमाण पत्र एवं अंगवस्त्र के साथ सम्मान किया गया जो काफी आकर्षक एवं चर्चा का विषय रहा। इस अवसर पर जेएसके डा एके कौशिक, किरन कौशिक, अरविंद जैन, ब्रजेश लोड, रमेश सेठ, राकेश राजपूत, प्रदीप मल्होत्रा, राकेश अग्रवाल, मुन्ना, प्रदीप उपाध्याय, विकास शुक्ला, दिव्या अग्रवाल, स्वेता गुप्ता, आकांक्षा आलोक मिश्रा, अनिल जायसवाल, राजीव गुप्ता आदि हजारों की संख्या में जेएसके परिवार के सदस्य उपस्थित रहे ।

रुदौली बार एसोसिएशन का होली मिलन समारोह संपन्न

➢ त्यौहार आपसी भाईचारे व सौहार्द का देते हैं संदेश - संतोष कुमार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। रुदौली तहसील प्रांगण में स्थिति अधिवक्ता सभागार में हास्य,व्यंग और प्रेम के गीतों से सरोबार होली मिलन समारोह सम्पन्न हुआ। होली मिलन समारोह के मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी संतोष कुमार ने होली की बधाई देते हुए कहा कि हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई सब आपस मे हैं भाई भाई। रुदौली के अधिवक्ताओं व जनता में एकता देखने को मिली। उन्होंने बार व बेन्च के मध्य सामंजस्य स्थापित कर न्यायिक कार्यों में सहयोग की अपील की। तहसीलदार विजय कुमार गुप्ता ने रुदौली में गंगा जमुनी तहज़ीब की तारीफ करते हुए कहा कि रुदौली तहसील में अधिवक्ताओं के साथ होली खेलने का अनुभव अलग ही रहा। भाईचारे की जो मिशाल यहां देखने को मिली वह अन्य जगहों पर कम ही दिखाई देती है। नायब तहसीलदार शेखर शुक्ला व राजनारायण मौर्या ने सभी को होली की बधाई दी।चकबन्दी कानूनगो सहजराम कनोजिया ने कहा कि हमें हमेशा सभी त्योहार एक रह कर मनाना चाहिए। बार अध्यक्ष चौधरी अजीमुद्दीन ने बार और बेंच के बीच सामंजस्य स्थापित कर कार्य करने की बात कहते हुए अपनी उपलब्धियों को गिनाया। संचालन कर रहे सतिन्द्र शास्त्री बताया कि होली के त्यौहार को हर प्रकार के भेदभाव भुलाकर प्रेम व सदभाव से हम सभी अधिवक्ता मनाते रहे हैं। इसके अलावा समारोह को महामंत्री अमर सिंह,वेद तिवारी,मो. फहीम खान,राम मनोरथ वर्मा,बालेन्द्र सिंह,साहब सरन वर्मा,राम भोला तिवारी,धनी राम यादव, रमेश तिवारी,नरेंद्र कुमार मिश्रा,दाता राम,प्रमोद द्विवेदी,कुलभूषण यादव,गया शंकर कश्यप,कमरुद्दीन अहमद,इम्तिराज आज़म सहित अन्य अधिवक्ताओं ने भी सम्बोधित किया ।समारोह की अध्यक्षता चौधरी अजीमुद्दीन व संचालन सतिन्द्र शास्त्री ने किया। इस मौके पर पूर्व महामंत्री रवींद्र तिवारी,नन्द किशोर यादव,सुरेन्द्र यादव, राजेश पाण्डेय,ओम प्रकाश मिश्रा,अजय यादव,मो. आमिर खान,फजल अज़ीम,रियाज़ अंसारी,संतोष कुमार आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नि:शुल्क सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर इनर व्हील क्लब बनारस 312 की ओर से डॉ. चंद्रा नर्सिंग होम में निःशुल्क सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन क्लब की अध्यक्षा सुषमा सिंह के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर स्वास्थ्य जांच कराई। शिविर के दौरान महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूक भी किया गया और समय-समय पर जांच कराने की सलाह दी गई। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. कुसुम चंद्रा एवं डॉ. स्मिता चंद्रा ने महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए जांच की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। यह आयोजन चंद्रा नर्सिंग होम, नाटी इमली में किया गया, जिसमें इनर व्हील क्लब बनारस 312 की कई सदस्याएं उपस्थित रहीं और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूक करना और समय रहते जांच के लिए प्रेरित करना था।

फागुन मास में मां विंध्यवासिनी से लस्सी लेकर बाबा विश्वनाथ का विशेष अभिषेक, डिप्टी कलेक्टर ने भी किया सहयोग

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। वाराणसी फागुन मास की पावन बेला में मां विंध्यवासिनी धाम के प्रमुख पुजारी पंडित अनुराग पांडे ने मां विंध्यवासिनी मंदिर से विशेष लस्सी लेकर काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। उन्होंने बाबा विश्वनाथ जी का लस्सी से अभिषेक किया, जो मां विंध्यवासिनी और बाबा विश्वनाथ के बीच के आध्यात्मिक संबंध को दर्शाता है। इस दौरान काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर के डिप्टी कलेक्टर शंभू शरण ने स्वयं पंडित अनुराग पांडे के साथ मिलकर अभिषेक में भाग लिया। दोनों ने मिलकर बाबा का विधिवत पूजन किया, जिससे भक्तों में भक्ति की लहर दौड़ पड़ी। यह घटना मां विंध्याचल और काशी के बीच गहरे आस्था के बंधन को रेखांकित करती है। पंडित अनुराग पांडे ने बताया कि फागुन में मां की कृपा से यह सेवा संभव हुई, जो दोनों देवस्थलों की एकता का प्रतीक है। भक्तों ने इस अनोखे अनुष्ठान की सराहना की और हर-हर महादेव, जय मां विंध्यवासिनी के जयकारे लगाए। यह प्रसंग धार्मिक सद्भाव और परंपरा की जीवंत मिसाल है।

मनरेगा कर्मियों ने 8 माह से मानदेय नहीं मिलने पर ज्ञापन सौंपकर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

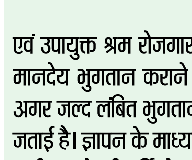

हलिया/मिर्जापुर। वीबीराम जी/मनरेगा कर्मियों में ग्राम रोजगार सेवक,कंप्यूटर ऑपरेटर,तकनीकी सहायक एवं अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारियों का विगत आठ माह से मानदेय भुगतान नहीं किए जाने के कारण सोमवार को खंड विकास अधिकारी विजय शंकर त्रिपाठी को जिलाधिकारी तथा मुख्य विकास अधिकारी एवं उपायुक्त श्रम रोजगार विभाग मिर्जापुर के नामित ज्ञापन सौंप कर जल्द से जल्द मानदेय भुगतान कराने की मांग किया। ज्ञापन के माध्यम से चेतावनी दी गई कि अगर जल्द लंबित भुगतान नहीं किया गया तो समस्त कर्मी कार्य करने में असमर्थता जताई है। ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराते हुए कहा कि जनपद में कार्यरत कर्मचारी सभी लक्ष्यों की पूर्ति में पूर्ण योगदान दे रहे हैं।विभागीय कार्यों के अतिरिक्त एस आई आर,क्रॉप सर्वे सहित अन्य कार्यों में भी पूर्ण योगदान दिया है। विभागीय शिथिलता के कारण कर्मियों को विगत जुलाई 2025 से मानदेय नहीं मिला है। दीपावली तथा होली में भी मानदेय नहीं दिया गया जिस कारण हम कर्मियों की पारिवारिक जिम्मेदारियां प्रभावित हो गई है। गंभीर आर्थिक संकट के कारण हम कार्मिक विभागीय दायित्वो तथा पारिवारिक जिम्मेदारियो में संतुलन नहीं बन पा रहे है। ज्ञापन देने वालों में अखिलेश कुमार,रमाकांत,रामपति मौर्य,भारत कुमार,राजेश कुमार,एपीओ ज्ञान सिंह,चंद्रमोहन सुभाष राजेंद्र प्रसाद आदि दर्जनों मनरेगा करनी मौजूद रहे।

एकाडिस अस्पताल ने नवजात शिशु देखभाल और महिला स्वास्थ्य में स्थापित किया नया कीर्तिमान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उन्नत नियोनेटोलॉजी और क्रिटिकल चाइल्ड केयर में अग्रणी, एकाडिस अस्पताल ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर %मदर एंड चाइल्ड वेलनेस एक्सपीरियंस% के साथ चिकित्सा जगत में अपनी विशिष्ट उपस्थिति दर्ज की। इस गरिमामयी आयोजन में विशेषज्ञ बाल चिकित्सा, स्त्री रोग परामर्श और अत्याधुनिक नैदानिक गतिविधियों के माध्यम से क्लिनिकल उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया गया। नियोनेटोलॉजी में हमारा उत्तरदायित्व हर नवजात जीवन को सुरक्षित करना है।

हम अपने संस्थान में आने वाले प्रत्येक मरीज को समान रूप से उच्चतम चिकित्सा सटीकता और नैतिक देखभाल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, डॉ. साइमा एफ. खान (संस्थापक एवं नियोनेटोलॉजिस्ट) ने कहा। हम उन्नत तकनीक और मातृत्व की सहज भावना का मेल करते हैं, जिससे हर बच्चे की यात्रा, नवजात इकाई से लेकर शुरुआती विकास तक, पूरी तरह सुरक्षित रहे। प्रतिभागियों ने योगाभ्यास, पीसीओएस चर्चा और सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम हेतु पैप स्मीयर पर 50त्न नैदानिक सब्सिडी का लाभ उठाया। 'हार्टबीट स्टेशन' पर माताओं ने स्टेथोस्कोप से जीवन की लय महसूस की, जिसे प्रोफेशनल फोटोग्राफी द्वारा संजोया गया, जबकि बच्चे ग्रोथ स्टार माइलस्टोन ट्रैक पर आगे बढ़े। यह आयोजन अभूतपूर्व रहा और मरीजों ने अस्पताल की पेशेवर विशेषज्ञता, उत्कृष्ट संस्थागत मानकों और सामुदायिक देखभाल के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता की भूरि-भूरि प्रशंसा की। एकाडिस अस्पताल लखनऊ में नवजात गहन देखभाल और मातृ-शिशु स्वास्थ्य में विशेषज्ञता रखने वाला एक प्रमुख संस्थान है, जो उच्चतम चिकित्सा मानकों और अटूट नैतिक मूल्यों के साथ विश्व स्तरीय सेवाएं प्रदान करने के लिए समर्पित है।

राज्य सूचना आयुक्त के आदेश के बाद कार्यवाही न होने पर दोषियों पर कार्यवाही व जांच के लिए लगाई गुहार।

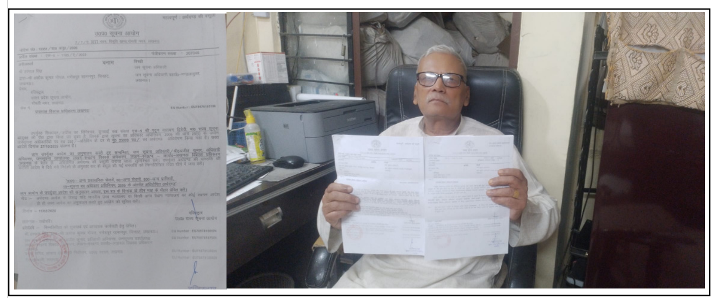

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। आर टी आई कार्यकर्ता एंव वरिष्ठ समाजसेवी हरपाल सिंह द्वारा सहज आवास जी -1/ए -7 ब्लाक-7, सेक्टर-4 सहज आवास, गोमतीनगर विस्तार, लखनऊ के मरम्मत कार्य का प्रार्थना पत्र और आवास की स्थिति की जानकारी के शिकायती पत्र दिनांक 20 सितंबर 2021 को अधिशासी अभियंता, जोन-1, लखनऊ विकास प्रधीकरण, विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, दिनांक 06अक्टूबर 2021 को उपाध्यक्ष लखनऊ विकास प्रधीकरण, विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ और दिनांक 16अक्टूबर 2021 को आयुक्त, लखनऊ मंडल को इन पत्रों के माध्यम सें अवगत कराया गया था। हरपाल सिंह का आरोप है कि जानबूझकर उक्त भवन के मरम्मत कार्य नहीं कराए जा रहे है, इन भवनो के निर्माण में सभी सामग्री सस्ती और घटिया किस्म की स्तेमाल की गई है और मानको को के विपरीत कार्य किए गए हैं जिस कारण इन आवास के शौचालय-बाथरूम में लगे बल्बो सें तथा दीवार में अन्य जगहों से पानी टपकता है और सीलन बनी रहती है जिससें बिजली का करंट फैलने का खतरा बना रहता है, जर्जर होने के कारण बिल्डिंग कभी भी धाराशायी हो सकती है। हरपाल सिंह की उक्त शिकायतो पर राज्य सूचना आयुक्त पदुम नारायण द्विवेदी द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 20(1) के अधीन विभागीय कार्यवाही के साथ दिनांक 27 अक्टूबर 2025 को जनसूचना अधिकारियों पर मुवावजा रूपये 25000 का अर्थदंड का आदेश किया जा चुका है साथ ही यह भी आदेश है कि जन सूचना अधिकारी अजीत कुमार, अधिशासी अभियंता का वेतन रोक दिया जाए। उक्त प्रकरण में अब तक कोई कार्यवाही न होने सें प्राथी हरपाल सिंह ने मिडिया के माध्यम सें निवेदन किया है कि प्रार्थना शिकायती पत्रों पर मुख्यमंत्री और संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा शीघ्र ही संज्ञान में लेकर जांच हो और दोषियों पर ठोस कार्यवाही की जाए अन्यथा वह न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे।

अलग दुनिया के बैनर तले राजनीति में महिलाओं के सामने चुनौतियांविषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सामाजिक संस्था अलग दुनिया के बैनर तले लखनऊ के प्रेस क्लब में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसका विषय था- राजनीति में महिलाओं के सामने चुनौतियां। इस संगोष्ठी में विभिन्न विशेषज्ञों ने भाग लिया और अपने विचार रखे। कृष्णकांत वत्स, बीपी गौतम, एम ए राईनी, वंदना अवस्थी, अशोक मिश्रा, गौतम राणा, चंद्रेश राज, इंदु पांडे, आलोक चटिया, सर्वेश द्विवेदी, सावित्री सिंह, पीसी कुरील, सोहित यादव, प्रमोद कुमार ने कहा कि महिलाओं का सर्वश्रेष्ठ योगदान तभी संभव है जब हम उन्हें जीवन के हर क्षेत्र में भागीदारी दें और उन्हें उच्च सपने देखने के लिए प्रेरित करें। निर्मला ने कहा कि जहां नारी की इज्जत और सम्मान होता है, वहीं देवता और सज्जन पुरुषों का वास होता है। उन्होंने संस्कारों को मजबूत करने और महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। गौतम राणा ने कहा कि महिलाओं के अधिकारों पर अतिक्रमण नहीं होने देना चाहिए और उन्हें बाबा साहब डॉक्टर अंबेडकर का आभार प्रकट करना चाहिए, जिन्होंने उन्हें बराबरी का दर्जा दिया है। अशोक मिश्रा ने कहा कि धर्म और सत्ता कभी भी शक्तिशाली नहीं बन सकती और महिलाओं के विकास के लिए धर्म, कर्मकांड, पाखंड और अंधविश्वास से बाहर निकलना होगा। इस संगोष्ठी में अन्य कई विद्वानों ने भी अपने विचार रखे और महिलाओं के सशक्तिकरण और उनके अधिकारों के लिए आवाज उठाई।

श्रमिकों को मिलेगा सीधा समाधान, प्रदेश कार्यालय पर विशेष व्यवस्था लागू

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। भारतीय श्रमिक कामगार कर्मचारी महासंघ (भाजपा प्रणित) के प्रदेश कार्यालय पर श्रमिकों की समस्याओं के समाधान हेतु विशेष व्यवस्था लागू की गई है। भारतीय श्रमिक कामगार कर्मचारी महासंघ (भाजपा प्रणित) के प्रदेश अध्यक्ष संदीप साहू द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में संगठन की आगामी कार्ययोजना और श्रमिक हितों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने श्रमिकों की समस्याओं के समाधान तथा भारत सरकार एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को श्रमिकों तक पहुँचाने के लिए ठोस प्रयास करने की बात कही। प्रदेश अध्यक्ष संदीप साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि संगठन का प्रदेश कार्यालय-वीआईपी रोड, आजाद नगर, आलमबाग, लखनऊ में संचालित है। यहाँ एक महत्वपूर्ण व्यवस्था लागू की गई है, जिसके अंतर्गत कार्यालय पर प्रतिदिन एक प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहकर श्रमिकों की समस्याओं को सुनेंगे और उनके समाधान के लिए तत्काल आवश्यक कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था श्रमिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान और संगठन से सीधे संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से की गई है। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री अजय पांडे ने कहा कि भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर लागू कराना और उनका लाभ श्रमिकों तक पहुँचाना संगठन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि संगठन का प्रत्येक पदाधिकारी यह सुनिश्चित करेगा कि श्रमिकों को इन योजनाओं की जानकारी मिले और वे अधिक से अधिक लाभान्वित हो सकें। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राष्ट्रीय महासचिव सर्वेश पाठक ने कहा कि श्रमिक वर्ग देश की आर्थिक व्यवस्था की मजबूत नींव है और उनके अधिकारों की रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि संगठन श्रमिकों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनके हितों की रक्षा तथा उन्हें सम्मान दिलाने के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा। कार्यालय प्रभारी रानू सिंह ने कहा कि संगठन का प्रदेश कार्यालय श्रमिकों के लिए सदैव खुला रहेगा और उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के साथ सुना जाएगा। महानगर अध्यक्ष वेद प्रकाश दीक्षित ने कहा कि महानगर क्षेत्र के श्रमिकों को संगठित कर उनकी समस्याओं को प्रशासन तक पहुँचाने और समाधान कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। वहीं ग्रामीण अध्यक्ष आदित्य सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के श्रमिकों को संगठन से जोड़कर उन्हें उनके अधिकारों और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी, जिससे वे भी इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। प्रेस वार्ता के माध्यम से संगठन के पदाधिकारियों ने यह स्पष्ट किया कि भारतीय श्रमिक कामगार कर्मचारी महासंघ श्रमिकों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर सक्रिय रहेगा।

समाचार

पुलिस को बड़ी सफलता,1 शातिर चोर को किया गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की अपराध शाखा और मड़ियांव थाने की संयुक्त पुलिस टीम, आवेदक कैलाश निवासी बन्नौर थाना बीकेटी लखनऊ को प्रार्थना पत्र के आधार पर दो मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियों द्वारा छीन लेने के संबंध में प्रार्थना पत्र दिया, पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान महादेव होटल चौराहा क्षेत्र में मौजूद थी, इसी दौरान मुखबिर की सूचना प्राप्त हुई कि राहगीरों से मोबाइल छीने वाला एक व्यक्ति सेक्टर ई यूपी महोत्सव मेला मैदान के पास मौजूद है, पुलिस टीम पहुंचकर बड़ी सूझबूझ से अभियुक्त को पकड़ लिया, नाम पता पूछने पर अपना नाम नकुल कश्यप उर्फ संजय हाल पता सेक्टर 3 थाना जानकीपुरम लखनऊ, कब्जे से एक मोबाइल फोन बरामद हुआ, मड़ियांव पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया।

19वीं रमज़ान पर ताबूत का जुलूस हजारों अज़ादार शामिल

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 19वीं रमज़ान के मौके पर शिया समुदाय की ओर से पारंपरिक ताबूत का मातमी जुलूस अकीदत के साथ निकाला गया जिसमें बड़ी संख्या में अज़ादार शामिल हुए। जुलूस मस्जिद-ए-कूफा (सआदतगंज) से मजलिस और नमाज़ के बाद रवाना हुआ और अलग-अलग इलाकों से होता हुआ इमामबाड़ा तकी ज़ैदी चौक तक पहुंचा। वही पुलिस के मुताबिक जुलूस में करीब 25 हज़ार अज़ादार शामिल हुए। सुरक्षा व्यवस्था के लिए भारी पुलिस बल के साथ पीएसी, आरएएफ और सीआरपीएफ तैनात रही,वहीं पूरे जुलूस की निगरानी ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से की गई। विश्वजीत श्रीवास्तव (डीसीपी पश्चिम) के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों ने जुलूस मार्ग का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायज़ा लिया।

नगर निगम जोन 4 की बड़ी कार्रवाई करोड़ों के बकाए तीन भवन सील

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ । गृहकर वसूली को लेकर लखनऊ नगर निगम ने सख्त रुख अपनाते हुए जोन-4 में बड़े बकाएदार संस्थानों पर कार्रवाई की है। गौरव कुमार (नगर आयुक्त) और पंकज श्रीवास्तव (अपर नगर आयुक्त) के निर्देश पर टीम ने शिल्पा कुमारी के नेतृत्व में तीन संस्थानों के भवन सील कर दिए।कार्रवाई के तहत उर्दू टीचिंग एंड रिसर्च सेंटर यूपीएसआईडीसी के भवन और एक ट्रांसमिशन भवन को गृहकर का भारी बकाया होने पर सील किया गया।नगर निगम के अनुसार इन संस्थानों पर करीब 2 करोड़ रुपये से अधिक का हाउस टैक्स बकाया था। कई नोटिस देने के बावजूद भुगतान नहीं होने पर यह सख्त कदम उठाया गया।

भाजपा सरकार ने देश की विदेश नीति गिरवी रख दी है- अखिलेश

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने देश की विदेश नीति गिरवी रख दी है। पहली बार है, जब हमारी विदेश नीति विदेश के लोग तय कर रहे है। देश के सामने गंभीर चुनौतियां है। देश के बड़ी संख्या में लोग युद्ध क्षेत्र में फंसे हैं। मंहगाई बढ़ती जा रही है। इसके साथ तमाम बड़े मुद्दे है, जिन पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान सोमवार को संसद परिसर में मीडिया से बात करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इस सरकार ने विदेश नीति को नीलाम कर दी है। बात आत्मनिर्भर होने की होती है। अमेरिका हमारी सरकार को आर्डर कर रहा है। डिक्टेट कर रहा है। कितने दिन तेल खरीदना है, कहां से खरीदना है, यह दूसरा देश तय कर रहा है। श्री यादव ने कहा कि सरकार युद्ध को लेकर अपनी राय साफ करे। सरकार का क्या पक्ष है। युद्ध प्रभावित देशों में बड़ी संख्या में भारतीय फंसे हुए हैं। नौकरी, पेशा, कामकाजी लोग और पर्यटक फंसे है। जो पत्रकार फंसे है, वो कैसे लौटेंगे? इन सबकी सुरक्षित वापसी का प्रश्न है। मंहगाई बढ़ती जा रही है। लोगों के सामने संकट की स्थिति है। इन मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए।

आश्वासनम नाटक ने भ्रष्टाचार और बेरोजगारी पर किया करारा प्रहार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। संस्था विजय बेला-एक कदम खुशियों की ओर, लखनऊ द्वारा उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पंद्रह दिवसीय प्रस्तुतिपरक संस्कृत नाट्य कार्यशाला के उपरांत कार्यशाला में तैयार नाटक आश्वासनम् का मंचन अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान प्रेक्षागृह, गोमती नगर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर के संस्कृत साहित्य विभाग के सह-प्राध्यापक डॉ. परितोष दास, ललित कला अकादमी के उपाध्यक्ष श्री गिरीश चंद्र मिश्र एवं डॉ. आदर्श गर्ग जी ने दीप प्रवलन करके किया। नाटक का लेखन डॉ. ओम प्रकाश त्रिपाठी (शास्त्री जी) ने किया है तथा निर्देशन चन्द्रभाष सिंह ने किया। कार्यशाला में प्रशिक्षित प्रतिभागियों ने ही विभिन्न पात्रों का प्रभावशाली अभिनय करते हुए दर्शकों की सराहना प्राप्त की। कौटिल्य (चाणक्य) के प्रसिद्ध कथन यथा राजा तथा प्रजा को आधार बनाकर रचित यह नाटक समकालीन समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार और युवाओं की बेरोजगारी की समस्या को प्रभावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत करता है। कथा एक मेधावी किंतु बेरोजगार युवक के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे अपनी योग्यता और परिश्रम के बावजूद रोजगार नहीं मिल पाता। समाज के जिम्मेदार लोग उसे बार-बार केवल आश्वासन देते हैं, जबकि अयोग्य लोग नेताओं के सगे-संबंधी या चाटुकार होने के कारण पद प्राप्त कर लेते हैं। नाटक में यह भी दर्शाया गया कि किस प्रकार एक भ्रष्ट नेता सेवा और सहायता के नाम पर रिश्वत लेकर लोगों को नौकरी दिलवाता है। योग्य युवक को केवल आश्वासन मिलता है, जबकि रिश्वत देने वाला व्यक्ति नौकरी प्राप्त कर लेता है। इन परिस्थितियों से निराश युवक को उसका मित्र समझाता है कि केवल सरकारी नौकरी ही जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं है, बल्कि मनुष्य को अपने प्रयासों से नए रास्ते तलाशने चाहिए और समाज में फैले भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूक होकर खड़ा होना चाहिए। नाटक में जूही कुमारी, लता बाजपेयी, अगम्या बाजपेयी, मुकुल कुमार, उन्नत बहादुर और कृष्ण कुमार पांडेय सहित अन्य कलाकारों ने सशक्त अभिनय किया।

वरिष्ठ साहित्यकार कमलेश मौर्य मृदु को अनागत मार्तंड एवं मीरा शुक्ला को अनागत कविता चंद्रिका सम्मान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। अखिल भारतीय अनागत साहित्य संस्थान द्वारा अनागत साहित्य संस्थान योगी नगर, त्रिवेणी नगर तृतीय, सीतापुर रोड, लखनऊ में काव्य गोष्ठी/सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार साहित्य भूषण कमलेश मौर्य मृदु ने किया। मुख्य अतिथि जी.एल.गांधी, विशिष्ट अतिथि मीरा शुक्ला एवं विजय तनहा रहे। अनागत कविता आंदोलन के प्रणेता डॉक्टर अजय प्रसून की विशेष उपस्थिति रही।कुशल संचालन प्रवीण कुमार पांडेय आवारा ने किया। कार्यक्रम का आरंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। वाणी वंदना राम सनेही विश्वकर्मा सजल ने की। इस अवसर पर संस्था द्वारा वरिष्ठ साहित्यकार कमलेश मौर्य मृदु को अनागत मार्तंड एवं मीरा शुक्ला को अनागत कविता चंद्रिका सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉ. अजय प्रसून, कमलेश मौर्य मृदु,मीरा शुक्ला, राम राज भारती, प्रवीण कुमार पांडेय आवारा, राम सनेही विश्वकर्मा सजल,डॉ. हिमांशु सक्सेना अर्श लखनवी, अरविंद रस्तोगी धवल, कन्हैया लाल,डॉ. रेनू सिंह,स्वतंत्र कुमार,श्रीश चंद्र दीक्षित,एल. गांधी, विजय तनहा, विनीत श्रीवास्तव, सुधीर श्रीवास्तव, सुरेश वैश्य, सुरेश चंद्र गुप्ता श्याम आदि ने अपने गीत गजल छंद एवं मुक्तकों से सबको भाव विभोर कर दिया। अंत में राम राज भारती ने सभी आगंतुकों साहित्यकारों श्रोताओं को धन्यवाद देते हुए अगले आयोजन तक कार्यक्रम को स्थगित किया गया।

महिला दिवस पर इंडिया हेल्थ एंड फिटनेस सिम्पेजियम का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ फिजियोथेरेपी एसोसिएशन तथा अन्तर्राष्ट्रीय हेल्थ और फिटनेस एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में आज होटल इकोटेल में इंडिया हेल्थ एंड फिटनेस का आयोजन किया गया। सिम्पोजियम में लखनऊ शहर के लगभग 250 फिजिओथेरेपिस्ट उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महिला दिवस के अवसर पर 40 महिलाओ को नारी शक्ति अवार्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने सभी फिजियोथेरेपिस्ट को सम्बोधित करते हुए कहा कि महिलाओं के राजनीति में आने से होंगे सकारात्मक बदलाव राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने कहा कि महिलाओं के राजनीति में आने से देश में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। इससे देश में नई नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। महिलाओं के विकास बिना देश की प्रगति संभव नहीं है। इसीलिए सरकार ने महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण लागू किया है। आने वाले दिनों में इसका असर देश और समाज पर नजर आएगा। इसके साथ ही उन्होंने फिजियोथैरेपिस्ट को स्वस्थ रहने के लिए अहम बताया। उनके मुताबिक खेल के क्षेत्र में तो इनकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। सिम्पोजियम में 8 वक्ताओं ने विभिन्न विषयों पर अपनी बात रखी। वक्ताओं में डॉ. सुदीप सक्सेना ने बायोमैकेनिकल करेक्शन आफ पेल्विस, प्रो. सुमित अस्थाना ने एडवांस न्यूरो मस्कुलर ट्रेनिंग, डॉ. योगेश मध्यान नें शोल्डर सिम्पलीफाइड, डॉ. मुकेश कुमार ने हीमोफीलिया और फिजियोथेरेपी मैनेजमेंट, डॉ. हरिकेश वर्मा ने पेल्विस फ्लोर ए बेस आफ हेल्थ, डॉ. आशीष सिंह ने एडवांस इन प्रोस्थेटिक्स, आर्थोटिक्स और कॉस्मेटिक रेस्टोरेशन, डॉ. नम्रता सूरी ने वोमेन हेल्थ तथा डॉ. विवेक गुप्ता ने क्लीनिकल न्यूरोडायनमिक्स विषयों पर बात रखते हुए सभी लोगों को सम्बन्धित विषयों के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ने इस सिम्पोजियम के आयोजन सचिव डॉ. संजय शुक्ला तथा आयोजन अध्यक्ष डॉ. विपिन कुमार को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए मुबारकबाद देते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन समय-समय पर होना बहुत जरूरी है। इससे लोगों को फिजियोथेरेपी से सम्बन्धित विभिन्न विषयों के बारे में जानकारी होती है और उनको यह पता चलता है कि फिजियोथेरेपी के द्वारा विभिन्न गम्भीर बीमारियों का इलाज सम्भव है। सेमिनार के कोषाध्यक्ष डॉ. विष्णु मूर्ति पाठक ने सेमिनार में आये सभी लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज की चिकित्सा प्रणाली में फिजियोथेरेपी की एक अहम भूमिका है। इस मौके पर विभिन्न कंपनियों ने फिजियोथेरेपी के आधुनिक उपकरण के स्टाल भी लगाए। कार्यक्रम मे डॉ. ब्रजेश त्रिपाठी, डॉ. तेजवीर सिंह, डॉ. सुमित श्रीवास्तव के साथ-साथ विभिन्न फिजियोथेरेपिस्ट उपस्थित रहे। नारी शक्ति पुरस्कार के सम्मानित हुई महिलाएं कार्यक्रम में महिला दिवस के उपलक्ष्य पर डॉ दीप्ति रोहन, डॉ गरिमा चौरसिया, डॉ दीपिका शर्मा, डॉ नेहा किनवर, डॉ चारु अग्निहोत्री, डॉ अनुपमा धुरिया, डॉ शालिनी पांडे, डॉ सुनीता गौतम, डॉ नैन्सी श्रीवास्तव, डॉ जन्नत तनसीम, डॉ आशिका पाठक, डॉ पूनम पचुरिया, डॉ शिवाली गुप्ता, डॉ शीबा परवीन, डॉ प्रीति वर्मा, डॉ श्रद्धा सिंह, डॉ गीतांजलि डी सिंह, डॉ नौसीन जहाँ, डॉ आकांक्षा उपाध्याय, डॉ अर्शी मिर्जा, डॉ नम्रता सूरी, डॉ कीर्ति पांडे, डॉ अलका यादव, डॉ वर्षा श्रीवास्तव, डॉ रेशमा, डॉ वर्षा कुमारी, डॉ अंजली वर्मा, डॉ दीपिका (नम्रता), सुषमा भारद्वाज पाठक, डॉ स्वाति पांडे, हरलीन कौर, निशा तिवारी, डॉ अनुराधा तिवारी, डॉ तृप्ति शुक्ला, दीप्ति को नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

हिन्दी दैनिक तीसरा विकल्प न्यूज़
लखनऊ से प्रकाशित

संपादकीय

कनाडा के साथ यूरेनियम डील भारत के लिए कैसे मददगार होगी

अब तक की कहानी ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में प्रयासरत भारत ने 2 मार्च को कनाडा की कंपनी कैमेको के साथ 2.6 अरब कनाडियन डॉलर का समझौता किया । इस समझौते के तहत भारत को 2027 से 2035 के बीच लगभग 10,000 टन यूरेनियम की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। भारत के पास यूरेनियम का कितना भंडार रू भारत में यूरेनियम के घरेलू और आयातित भंडार दोनों मौजूद हैं। घरेलू भंडार में 4.2-4.3 लाख टन अयस्क है, जो झारखंड के जादुगुडा और तुरमडीह तथा आंध्र प्रदेश के तुम्मलपल्ले की प्रमुख खानों में फैला हुआ है। इस अयस्क से निकाले जा सकने वाले यूरेनियम की मात्रा 76,000-92,000 टन होने का अनुमान है। अयस्क और धातु के बीच परिमाण का अंतर इसलिए है क्योंकि भारतीय अयस्क 'निम्न श्रेणी' का है (0.02-0.45 प्रतिशत सांद्रता), जबकि कनाडा में उच्च श्रेणी का अयस्क पाया जाता है (भारतीय अयस्क से 10-100 गुना अधिक समृद्ध)। मात्रा के हिसाब से कैमेको विश्व के 3 सबसे बड़े यूरेनियम उत्पादकों में से एक है। यूरेनियम अयस्क का आयात करना इसे निकालने की तुलना में सस्ता है लेकिन इसका उपयोग कानूनी तौर पर परमाणु हथियारों में नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि भारत घरेलू स्तर पर भी अयस्क का खनन करता है। कैमेको के साथ यह समझौता भारत-कनाडा नागरिक परमाणु सहयोग समझौते (एन.सी.ए.) के अंतर्गत आता है। इस पर 2010 में हस्ताक्षर किए गए थे, परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह द्वारा भारत को 'क्लीन' छूट जारी करने के 2 साल बाद, जो बदले में भारत और अमरीका के बीच 123वें परमाणु समझौते के कारण संभव हुई थी। दूसरी ओर, एन.सी.ए. की इस बात के लिए भी आलोचना की गई है कि वह भारत के परमाणु हथियार कार्यक्रम को परोक्ष रूप से समर्थन दे रहा है, भारत नागरिक उपयोग के लिए जितना अधिक यूरेनियम आयात करता है, उतना ही अधिक घरेलू यूरेनियम वह सैन्य उपयोग के लिए सुनिश्चित कर सकता है। भारत में वर्तमान में लगभग 9 गीगावाट की उत्पादन क्षमता वाले 24 परमाणु रिएक्टर कार्यरत हैं। 700 मैगावाट क्षमता वाले प्रैशराइज्ड हैवी वाटर रिएक्टर (पी.एच.डब्ल्यू.आर.) वर्तमान में भारत की कुल बिजली का 6.7 गीगावाट, यानी लगभग 3 प्रतिशत उत्पादन करते हैं और इनमें ईंधन के रूप में यूरेनियम का उपयोग होता है। सरकार 2047 तक परमाणु ऊर्जा क्षमता को 100 गीगावाट तक बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि, भूमि अधिग्रहण और स्थानीय विरोध प्रदर्शनों के कारण इस योगदान को बढ़ाने के पिछले प्रयास बाधित हुए हैं। ट्रॉम्बे में स्थित 'ध्रुवा' जैसे अनुसंधान रिएक्टरों में भी यूरेनियम की महत्वपूर्ण मात्रा का उपयोग टैक्नीशियम-99एम और आयोडीन-131 जैसे चिकित्सा समस्थानिकों के उत्पादन और उन्नत सामग्री विज्ञान अनुसंधान के लिए किया जाता है। 2025-26 के केंद्रीय बजट में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई पीढ़ी के छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों के विकास के लिए 20,000 करोड़ रुपए आबंटित किए, जो आमतौर पर 3.5 प्रतिशत समृद्ध यूरेनियम का उपयोग करते हैं। घरेलू यूरेनियम का उपयोग परमाणु युद्धक हथियारों (जिनकी संख्या वर्तमान में लगभग 170 होने का अनुमान है) और परमाणु ऊर्जा से चलने वाली आई.एन.एस. अरिहंत श्रेणी की पनडुब्बियों के लिए भी किया जाता है। भारत वर्तमान में तीन चरणों वाले कार्यक्रम के पहले चरण से दूसरे चरण में प्रवेश कर रहा है। पहले चरण में, फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पी.एच.आर.) बिजली उत्पादन के लिए प्राकृतिक यूरेनियम-235 का उपयोग करेंगे और प्लूटोनियम-239 उप-उत्पाद के रूप में प्राप्त होगा। दूसरे चरण में, फास्ट ब्रीडर रिएक्टर बिजली उत्पादन, यूरेनियम-233 और अतिरिक्त प्लूटोनियम-239 के मिश्रित ऑक्साइड ईंधन का उपयोग करेंगे। (इन रिएक्टरों को फास्ट ब्रीडर रिएक्टर इसलिए कहा जाता है क्योंकि ये खपत से अधिक ईंधन का उत्पादन करते हैं।) कलपक्कम में स्थित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पी.एफबी.आर.) वर्तमान में चालू होने के उन्नत चरण में है। अंततः, उन्नत भारी जल रिएक्टर ईंधन के रूप में प्लूटोनियम-239 और थोरियम-232 का उपयोग करेंगे, जिससे बिजली और यूरेनियम-233 का उत्पादन होगा। होमी जे. भाभा ने इस तीन-चरणीय कार्यक्रम की परिकल्पना इस तथ्य का लाभ उठाने के लिए की थी कि भारत में विश्व के थोरियम भंडार का 20-25 प्रतिशत हिस्सा मौजूद है। हालांकि, इस कार्यक्रम में कई बार देरी हुई और लागत में भी भारी वृद्धि हुई है। डी.ए.ई. के पूर्व अध्यक्ष अनिल काकोडकर ने बताया है कि एक फास्ट ब्रीडर रिएक्टर द्वारा दूसरे रिएक्टर को शुरू करने के लिए पर्याप्त ईंधन उत्पादन करने में लगने वाला समय (डबलिंग टाइम) वर्तमान में 15-20 वर्ष है। इस प्रकार, 100 गीगावाट बिजली उत्पादन के लिए भारत को कई डबलिंग चक्रों से गुजरना होगा।

तेल संकट का सच

राजधानी दिल्ली, उप्र, बिहार, मप्र राज्यों के कई शहरों में पेट्रोल पंपों पर वाहनों की भीड़ दिखाई दे रही है। लोग पेट्रोल-डीजल को लेकर आशंकित हैं, लिहाजा हड़बड़ी में हैं कि जितना भी तेल मिल जाए, उतना तो जमा कर लिया जाए। ग्रामीण और किसान अलग किस्म की दहशत में हैं, क्योंकि तेल का संकट गहराएगा, तो उनकी खेती प्रभावित होगी। हालांकि भारत में पाकिस्तान जैसे 'लॉकडाउन' हालात नहीं हैं। वहां एक लीटर पेट्रोल 336 रुपए और डीजल 321 रुपए में बेचा जा रहा है। आशंका है कि पाकिस्तान में कभी भी 'लॉकडाउन' घोषित किया जा सकता है। कुछ जगहों पर तो गोलियां भी चल चुकी हैं। बांग्लादेश और श्रीलंका में भी तेल-गैस का संकट गंभीर रूप ले चुका है। बहरहाल भारत काफी हद तक आश्वस्त है, लेकिन विरोधाभासी बयान डरा रहे हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने कहा है कि भारत में तेल-गैस, ईंधन की कोई कमी नहीं है। घबराने की जरूरत नहीं है। तेल के दाम भी नहीं बढ़ेंगे। भारत के पास कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पाद, गैस का 25 दिनों का भंडार है। मंत्री जी के बयान के अगले दिन ही तेल कंपनियां घरेलू एलपीजी (रसोई गैस) के दाम 60 रुपए प्रति सिलेंडर बढ़ा देती हैं और कमर्शियल सिलेंडर 114.50 रुपए महंगा कर दिया जाता है। अब औसत घर को रसोई गैस का सिलेंडर 900-1000 रुपए से भी ज्यादा महंगा मिलेगा। यह कौनसा सच है, मंत्री जी? बेशक 'उज्ज्वला' योजना के करीब 10.5 करोड़ लाभार्थियों को बढ़े दामों से अलग रखा गया है। उन्हें तो प्रति सिलेंडर 300 रुपए की सबसिडी भी मिलती है। इस तरह देश में 23 करोड़ उपभोक्ता इस महंगाई के शिकार होंगे। कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पाद और गैस के भंडारण पर अलग-अलग बयान आ रहे हैं। कतर एलएनजी की 'महाशक्ति' है। वह 40 फीसदी से अधिक एलएनजी भारत को सप्लाई करता रहा है, लेकिन ईरान के लगातार हमलों के बाद कतर ने तेल-गैस का उत्पादन ही बंद कर दिया है। कतर के ऊर्जा मंत्री ने आगाह किया है कि कच्चे तेल की कीमतें 150 डॉलर तक उछल सकती हैं। युद्ध के कारण कच्चे तेल के दाम 95 डॉलर प्रति बैरल तक तो पहुंच चुके हैं। भारत करीब 85 फीसदी एलपीजी मध्य-पूर्व के देशों से ही आयात करता है और वह सप्लाई होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग से ही होती रही है। ईरान के लड़ाकों ने यह मार्ग बंद कर रखा है, जाहिर है कि हमारा 50 फीसदी तेल-गैस बाधित है। एक बयान आया है कि देश में 25 करोड़ बैरल से अधिक कच्चे तेल का भंडार है, गैस भी पर्याप्त है, कुल मिला कर 7-8 सप्ताह का भंडार है, लेकिन विशेषज्ञों के भी बयान आ रहे हैं कि भारत में कुल 10 करोड़ बैरल ही कच्चा तेल है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार बयानबाजी कर रहे हैं कि तेल और गैस का संकट बढ़ रहा है। कीमतें बढ़ने लगी हैं और सरकार ने देश की संप्रभुता और विदेश नीति अमरीका को बंधक रख दी है। ऐसे बयान देश-विरोधी, भ्रमित और अतिशयोक्तिपूर्ण हैं।

> "शिक्षा केवल ज्ञानार्जन नहीं, बल्कि एक विमर्श भी है। इस अर्थ में भारतीय ज्ञान के वैश्वीकरण से भारतीय विमर्श का भी वैश्वीकरण सुनिश्चित हो पाएगा।"

गेमचेंजर होगी नेपाल में आरएसपी की शानदार जीत

नित्य चक्रवर्ती

नेपाल में 5 मार्च को हुए आम चुनावों में जेनजेड समर्थित राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) की शानदार जीत न सिर्फइस छोटे से हिमालयी देश के राजनीतिक इतिहास में बल्कि दक्षिण एशिया की बदलती राजनीति में भी एक गेमचेंजर है। नेपाल अब दक्षिण एशिया का दूसरा देश है जो सितंबर 2025 के दूसरे हफ्ते में बगावत के जरिए एक पारंपरिक राजनीतिक पार्टी की सरकार को हटाने वाले युवा आंदोलन के समर्थन वाली सरकार की स्थापना देख रहा है। सिर्फदक्षिण एशिया के एक और देश, श्रीलंका में, सितंबर 2024 में कमोबेश ऐसा ही नजारा देखने को मिला था, जब नेशनल पीपल्स पावर (एनपीपी) के नेता ने श्रीलंका की पारंपरिक राजनीतिक पार्टियों को हराकर राष्ट्रपति चुनाव जीता था, जिन्होंने दशकों तक इस द्वीप देश पर राज किया था। 2023 के श्रीलंका चुनाव, महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ 2022 में छात्रों और लोगों के विद्रोह में सत्ताधारी सरकार के हटने के बाद हुए थे। दक्षिण एशिया के एक और देश, बांग्लादेश में, छात्रों के विद्रोह की वजह से अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार चली गई, लेकिन इस साल 12 फरवरी को हुए राष्ट्रीय चुनावों में युवाओं के नेतृत्व वाली कोई सरकार नहीं बनी। इसके विपरीत हसीना सरकार को हटाने के लिए विद्रोह के समर्थकों द्वारा बनाई गई पार्टी को बड़ी हार का सामना करना पड़ा और पारंपरिक पार्टी बीएनपी को दो-तिहाई मतों से जीत मिली। इसलिए बांग्लादेश परिवर्तन के बस से चूक गया जबकि श्रीलंका और नेपाल सफल रहे। नेपाल चुनावों के अंतिम नतीजे अभी नहीं आए हैं, लेकिन रुझानों से पता चलता है कि आरएसपी कुल 165 सीटों में से 100 सीटें पार करने वाली है, जिन पर सीधे चुनाव हुए थे। दूसरी पार्टियां गगन थापा के नेतृत्व वाली नेपाल कांग्रेस, पूर्व प्रधानमंत्री केपीएस ओली के नेतृत्व वाली सीपीएन (यूएमएल) और प्रचंड के नेतृत्व वाली नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) दो अंकों को छूने के लिए संघर्ष कर रही हैं। संकेत हैं कि आरएसपी, किसी दूसरी पार्टी पर निर्भर हुए बिना, अपने दम पर नई सरकार बना पाएगी। पिछले दो दशकों के संसदीय लोकतंत्र में अब तक नेपाल में किसी भी राजनीतिक पार्टी के पास अकेले बहुमत नहीं रहने का रूझान यह रहा है। सरकार चलाने के लिए चुनाव के बाद गठबंधन बनाया गया था। सहयोगी कई बार बदले, जिससे मंत्रिमंडल गिर गया और फिर सत्ता में बने रहने के लिए एक नया गठबंधन बना। यह रूझान 2026 के चुनाव से बंद हो रहा है। आरएसपी नेपाल की सबसे नई राजनीतिक पार्टियों में से एक है जो 2026 के चुनाव में मैदान में उतरी। आरएसपी की स्थापना 2022 में चुनाव से पहले हुई थी। पार्टी ने 131 चुनाव क्षेत्रों में चुनाव लड़ा और 10.7 प्रतिशत वोट हासिल किए, जिसमें सीधे चुनाव में 7 सीटें और समानुपातिक प्रतिनिधित्व के तहत 13 सीटें जीतीं। पार्टी के प्रमुख बाबा लामचाने हैं, जो एक मीडिया मालिक हैं। काठमांडू के पूर्व मेयर बालेंद्र शाह बाद में आरएसपी में शामिल हुए और 2026 में पूर्व प्रधानमंत्री के पीएस ओली को हराकर चुनाव जीते। वह इतने लोकप्रिय हैं कि उन्हें आरएसपी सरकार का अगला प्रधानमंत्री बनने के लिए चुना जा रहा है। वह नेपाल सरकार की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की, शाह और जेनजेड आन्दोलन के वरीय नेताओं के करीबी हैं।

बालेंद्र शाह ने जेनजेड के संरक्षक के तौर पर काम किया। असल में, एक समय पर जेनजेड के अपनी पार्टी बनाने पर भी कुछ चर्चा हुई थी, लेकिन आखिर में, वे शाह और आरएसपी के साथ आ गए। नेपाल में, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाने के सरकारी आदेश के विरोध में जेनजेड ने स्कूली छात्रों के साथ मिलकर आंदोलन शुरू किया था। फिर यह आंदोलन सत्ताधारी केपीएस ओली सरकार और सभी स्थापित राजनीतिक पार्टियों के पूरे विरोध में बदल गया। सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुई लेकिन नेपाली सेना ने सावधानी बरती। स्थिति काबू से बाहर होने के बाद, नेपाली सेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री ओली को पद छोड़ने के लिए कहा। उन्होंने और उनकी सरकार ने इस्तीफा दे दिया। सेना प्रमुख ने जेनजेड नेताओं और सिविल सोसाइटी नेताओं से सलाह करके पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनाने में मदद की। नेपाल की संसद के निचले सदन में 275 सीटें हैं। इसमें से 165 सीटें सीधे चुनाव के लिए हैं और बाकी 110 सीटें समानुपातिक प्रतिनिधित्व से भरी जाएंगी। नेपाल में सभी बड़ी पार्टियां सभी सीटों पर चुनाव लड़ती हैं और चुनाव के बाद जब उनकी ताकत का पता चलता है, तो पार्टियां गठबंधन करती हैं। इसी तरह, हटाए गए प्रधानमंत्री 73 साल के केपीएस ओली कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइडमा क्सिर्स्टलेनिनिस्ट) सीपीआईएन (यूएमएल) का नेतृत्व कर रहे हैं। सितंबर में हटाए जाने से पहले वह नेपाली कांग्रेस के साथ गठबंधन में थे। एक और पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल, जिन्हें प्रचंड के नाम से जाना जाता है, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख हैं। वह दूसरे कम्युनिस्ट गुटों को अपने साथ लाने में कामयाब रहे हैं। वह ओली के लिए मुख्य चुनौती देने वाले बनकर उभरे हैं।जहां दोनों कम्युनिस्ट पार्टियों ने अपने पुराने नेताओं को बनाए रखा है, वहीं देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी नेपाली कांग्रेस ने जनुआ में एक युवा गगन थापा को अपना नया नेता चुना है। इस साल 49 साल के लोकप्रिय नेता ने 79 साल के पुराने शेर बहादुर देउबा की जगह ली है।

सार्वभौम संविधान अखण्ड भारत की पहचान

लेखर्षभाचार्य (विद्या मार्तण्ड)

भारतीय संविधान ने समानता का संकल्प करके असमानता की गूढ़ नीति अपनाई है जिसके चलते भारत के हर नागरिक को किसी न किसी प्रकार हानि का सामना करना पड़ रहा है भारतीय नागरिकों में निरन्तर संविधान के प्रति आरक्षण, निर्माता, रोजगार, वेतन, निवास, भूमि आदि के विवाद को देखते हुए लेखर्षभाचार्य विद्या मार्तण्ड जी ने एक नये संविधान %सार्वभौम संविधान% की रचना करने का संकल्प किया है जिसमें वे कुछ दिनों से लेखन कार्य कर रहे हैं। उनका कहना है वे भारत के श्रेष्ठ आचार्यों, सुप्रसिद्ध अध्यापकों, अधिकारियों और कुछ वरिष्ठ नेताओं आदि की सहायता भी लेगें यदि वे लोग अपना विचार देना चाहेंगे। विद्या मार्तण्ड जी ने बताया कि वे अपने संविधान में पूर्ण समानता देते हुए भारत के हर नागरिक को यथोचित सुविधा, रोजगार, वेतन देने का नियम बना रहे हैं। भारत सरकार को बिना किसी प्रकार की हानि पहुचाये संविधान के नियमों द्वारा उत्तरोत्तर उन्नति प्रदान करायेंगे। शिक्षा के लिए नियम बनाते हुए उन्होंने कहा है कि विद्यार्थियों को पूर्ण रूप से बत्तीस वर्ष तक निशुल्क शिक्षा,भोजन आदि प्रदान किया जायेगा। तथा शिक्षा के साथ अस्त्र शस्त्र , यन्त्र, चिकित्सा आदि का प्रत्यक्ष उदाहरणात्मक शिक्षण सभी विद्यार्थियों को कक्षा नव से दिया जाने लगेगा। तक्षशिला जैसे महान विश्वविद्यालय भारत के चारों दिशाओं में महिला पुरुष के लिए अलग अलग दो- दो होगें तथा उनकी शाखाएँ राज्यों के मध्य सुव्यवस्थित की जायेंगी। विद्यालय का निर्माण कोई भी कराये किन्तु उसकी व्यवस्था भारत सरकार देखेगी। किस प्रदेश में, किस जनपद में कितने महाविद्यालय, माध्यमिक और प्राथमिक विद्यालय होगें इसका भी उन्होंने नियम बनाया। समस्त महाविद्यालय, माध्यमिक एवं प्राथमिक विद्यालयों में प्रधानाचार्य पद पर सेवा निवृत्त आई ए एस, पी सी एस अधिकारी होगें। जो शिक्षा को प्रारम्भ से ही बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे। उनका उन्हें वेतन दिया जायेगा। विद्यालयों के पास बाजार की दूरी, गावों के किनारे प्रशिक्षण केन्द्र, गांवों के किनारे उसकी सुन्दरता के लिए सुन्दर वृक्ष होने चाहिए। गांवों के हर एक

बुजुर्ग को यथायोग्य भारत सरकार गांवों में रोजगार देगी जैसे -- गांवों की सड़कों को बुहारना, फूलों को सींचना, लगाना, गावों में सरकारी जमीन पर बने खेल मैदान, उपवन आदि को स्वच्छ करना आदि। गांवों में बिखरी हुई सरकारी जमीनों को एकत्रित करके उस पर लेखपाल की देखरेख में फसलों को उगाना आदि कार्य किये जायेंगे। इस संविधान के नियम के द्वारा भारत से भूमि विवाद सर्वदा के लिए समाप्त हो जायेगा। सड़कों के किनारे रहने वालों नागरिकों के मकान और सड़क की दूरी, उनके कार्य तथा उनके लाभ के बारे में सुन्दर व्यवस्था बताई गयी है। रोजगार युत पति पत्नी को एक ही जिले में सेवा कार्य दिया जायेगा यदि पद एक हैं और वह पद जिले में अन्य और नहीं हो सकता तो जिले के निकट जिले में उनकी इच्छा के अनुसार सेवा कार्य दिया जायेगा। अधिवक्ताओं की व्यवस्था उनके अधिकार और कार्य तथा वेतन लाभ की व्यवस्था के साथ न्यायालय और न्यायाधीशों के अधिकार और स्वतंत्रता तथा संख्या के उत्तम नियम हैं। नेताओं के लिए एक अलग न्यायालय होगा जहाँ केवल उन्हीं के अपराध की सुनवाई सार्वजनिक रूप से होगी। इनके लिए न्यायाधीश कौन होगा। उसके अधिकार, कार्य क्या होगे इसका भी नियम है। राष्ट्रपति से लेकर अन्य नेता आदि के पास क्या योग्यता होनी चाहिए किस पद के लिए क्या आयु होनी चाहिए तथा उनके अपराध के प्रति दण्ड क्या होने चाहिए इसका भी नियम बहुत सुन्दर बनाया गया है। किन्नर समाज को सैन्य शक्ति में स्थान देकर महिला पुरुष में होने वाले विवाद की सुनवाई आदि उन्हीं के द्वारा कराई जानी चाहिए। भारत की अर्थ व्यवस्था किस प्रकार बिना जनता को पीड़ा पहुचाये सर्वोपरि होगी यह उसमें वर्णित है। शंकराचार्य, मन्दिर आदि के कार्य, व्यवस्था अधिकार आदि उसमें बताया गया है। दण्ड नीति में महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था, उनके अपराध दण्ड, और उनकी स्वतंत्रता के बारे में भारतीय संविधान से अलग और उत्तम नियम हैं। उनके विचार में तिरंगे में हम माँ भारती की छवि देखकर उसे नमन करते हैं इसलिए तिरंगे के मध्य माँ भारती का चित्र होना चाहिए और अशोक चक्र उनकी नाभि के रूप में होना चाहिए। भारत के हर व्यक्ति को रोजगार देने के लिए सरकार बाध्य होगी। जनपद में बाजार नीति क्या होगी इसका भी उत्तम नियम उसमें बनाया गया है। भारत पूरी तरह भिक्षुक मुक्त होगा। वेश्यालयों को पूर्ण रूप से समाप्त कर दिया जायेगा। उसमें प्राप्त महिलाओं को उनके घर भेजा जायेगा यदि वह स्वीकार नहीं करते हैं तो उनसे जो विवाह करना चाहे कर सकता है अथवा भारत सरकार उनके लिए एक अलग से रोजगार व्यवस्था करेगी जब तक उनका जीवन शेष है उसके बाद भारत में कोई वेश्यालय नहीं होगा। बच्चियों के अपहरण, रेप के दण्ड में मृत्यु दण्ड नहीं अपितु मृत्यु से भी कठिन दण्ड नीति होगी। विदेश में यात्रा करने वाले नेता आदि के लिए क्या नियम होगें इसका भी प्रावधान उसमें है। विद्या मार्तण्ड का यह संकल्प है कि किसी भी प्रकार भारत सरकार की बिना किसी हानि के वे अपने नियम के माध्यम से भारत के हर नागरिक को सुखी करेंगे। चिकित्सा व्यवस्था किस तरह होनी चाहिए इसका उसमें सर्वोत्तम नियम है मुख्यमंत्री आदि के गुप्त अधिकारी होंगे उनके अधिकार, कार्य आदि का वर्णन उसमें है। अधिकतर होने वाले सामान्य विवाद को किस तरह निकट थानाध्यक्ष आदि के द्वारा समाप्त किया जायेगा बिना किसी के प्रति पक्षपात के यह नियम भी इसमें विद्यमान हैं। न्यायालय में अपराध की सुनवाई की क्या सीमा होगी इसका भी वर्णन उसमें हैं। पत्रकारों के अधिकार, सरकार से उनकी सहयोग व्यवस्था का वह वर्णन है जिसके माध्यम से वे भारत को पुनः विश्व गुरु बनाने में सहयोगी होगे। भारत को केवल मुख से ही नहीं अपितु सारा विश्व अपने देश के संविधान में विश्व गुरु कहेगा। हम विदेशों से बिना किसी हानि के धनार्जन कैसे करेगें इसका भी नियम उसमें है। पूर्णतः संविधान के नियमों को यहाँ बताना सम्भव नहीं हो सकेगा इसलिए उसके कुछ अंश संक्षेप में यहाँ बताये गये हैं। सार्वभौम संविधान% के द्वारा भारत को पुनः अखण्ड भारत, सोने की चिड़िया और लिखित रूप में विश्वगुरु बनाने का संकल्प %लेखर्षभाचार्य विद्या मार्तण्ड% कर चुके हैं। उनका विचार है कि यह संविधान भारत सरकार के यशस्वी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री आदि तक पहुंचे और इस पर विचार करके स्वीकार किया जाये।

मेष:- प्रतिभाओं के बावजूद हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित होगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। घर में खुशहाली रहेगी।

वृष:- किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ होगा।

मिथुन:- नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे। सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

कर्क:- काफी दिनों से अवरोधित कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने के आसार बनेंगे। काफी दिनों से प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में प्रयत्न सार्थक होगा।

सिंह:- नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें।

कन्या:- कर्जदारों से मन परेशान होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ संभव। नये संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होंगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

तुला:- भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यावहारिक बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। कल्पनाओं में न जियें।

वृश्चिक:- किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें। परिजनों के अनुकूल चलने की चेष्टा करें। आलस्य त्यागें।

धनु:- संवेदनशील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

मकर:- कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख-सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त-मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कायरे के प्रति लापरवाह होगा।

कुंभ:- अच्छे कार्य से परिजनों के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही न करें। जीवनसाथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

मीन:- थोड़ा संयमी व धैर्यवान बने। भाग्य से प्राप्त अच्छी-बुरी सभी स्थिति में समझौतावादी बनें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।

अमरीका की कूटनीति नहीं दादागिरी!

विनीत नारायण

आज दुनिया में हर ओर युद्ध, तबाही और अराजकता का दौर है। विकास की गति रुक रही है। अनिश्चितता का वातावरण है। अनेक देशों के नेता ही मवालियों की तरह बर्ताव कर रहे हैं। जबकि विश्व के लोग हमेशा शांति और विकास चाहते हैं। इस उठा-पटक में अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प सबसे आगे हैं। ट्रम्प ही क्यों, अमरीका की तो फितरत ही रही है कि कोई बहाना ढूंढ कर कमजोर देशों को दबाना और उनके संसाधनों पर कब्जा करना। हाल ही में सोशल मीडिया पर 'दावी360 से एक पोस्ट काफी वायरल हुई, जिसमें लिखा है कि ''प्रिय दुनिया, क्या तुम अमरीका और उसके सहयोगियों द्वारा झूठ बोलने से थक नहीं गए हो? क्या तुम उस साम्राज्य से थक नहीं गए हो, जो खून और मौत की तलाश में नहीं रुकता? अमरीका या उसके सहयोगी कभी किसी बात पर सच्चे रहे हैं? दुनिया कब इनके झूठ से ऊब जाएगी? अब तो हमें पता होना चाहिए कि वैश्विक अशांति, मौत, अराजकता और विनाश के जिम्मेदार कौन हैं? जो दुनिया की स्थिरता के खिलाफहैं? जो विश्व शांति के विचार से डरते हैं? तुम्हारी चुप्पी सहयोग है! अमरीका वैश्विक मुसीबत पैदा करने वाला है। मौत और विनाश की मशीन! अमरीकी साम्राज्य की तानाशाही के खिलाफ बोलो!!!'' यह पोस्ट न केवल अमरीका की ऐतिहासिक गलतियों को उजागर करती है बल्कि दुनिया को जगाने का प्रयास भी करती है। आज, जब हम वेनेजुएला, क्यूबा और ईरान जैसे देशों में अमरीकी हस्तक्षेप की नई लहर देख रहे हैं, यह स्पष्ट हो गया है कि अमरीका के फैसले गलत साबित हो चुके हैं। इन युद्धों ने न केवल लाखों जानें लीं, बल्कि दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। अमरीका की इन गलतियों से यह पता चलता है कि वैश्विक समुदाय अब युद्धों से कितना ऊब चुका है? अमरीका की विदेश नीति का इतिहास झूठ, हस्तक्षेप और युद्धों से भरा पड़ा है। 1950 के दशक से शुरू करें तो कोरियाई युद्ध (1950-1953) में अमरीका ने उत्तर कोरिया के आक्रमण का बहाना बनाकर हस्तक्षेप किया लेकिन वास्तविकता यह थी कि यह शीत युद्ध की रणनीति का हिस्सा था। लाखों कोरियाई मारे गए लेकिन क्या अमरीका की जीत हुई? नहीं, यह युद्ध आज भी कोरियाई प्रायद्वीप पर तनाव का कारण बना हुआ है। इसी तरह, 1954 में ग्वाटेमाला में अमरीका ने लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को उखाड़ फैंका, क्योंकि वहां की भूमि सुधार नीतियां अमरीकी कंपनियों को पसंद नहीं आईं। ग्वाटेमाला आज भी गरीबी और हिंसा से जूझ रहा है। 1950-60 के दशक से अमरीका के झूठ की फेहरिस्त लंबी है। इंडोनेशिया (1958) में सी.आई.ए. ने विद्रोहियों को समर्थन दिया लेकिन असफल रहा। क्यूबा (1961) में 'बे ऑफपिग्स' हमला एक बड़ी असफलता थी, जहां अमरीका ने फिदेल कास्त्रो को हटाने की कोशिश की लेकिन खुद की किरकिरी हुई। वियतनाम युद्ध (1961-1975) तो अमरीकी इतिहास का सबसे काला अध्याय है। अमरीका ने 'टोंकिन की खाड़ी घटना' को बहाना बनाकर युद्ध शुरू किया, जो बाद में झूठ साबित हुआ। 58,000 अमरीकी सैनिक और लाखों वियतनामी मारे गए। अमरीका हारकर लौटा, और वियतनाम आज एक मजबूत अर्थव्यवस्था वाला देश है। लाओस (1964-1973) और कंबोडिया (1969-1970) में गुप्त बमबारी ने लाखों लोगों को मार डाला और खमेर रूज जैसे आतंक को जन्म दिया। कांगो (1964) में अमरीका ने वहां प्रधानमंत्री पैट्रिस लुमुम्बा की हत्या में भूमिका निभाई, जो अफ्रीका की आजादी के प्रतीक थे। डोमिनिकन रिपब्लिक (1965) में हस्तक्षेप ने लोकतंत्र को कुचला। 1980 के दशक में भी यह सिलसिला जारी रहा। ग्रेनाडा (1983) में अमरीका ने मैडिकल छात्रों की सुरक्षा का बहाना बनाकर आक्रमण किया लेकिन यह छोटे देश पर साम्राज्यवादी कब्जा था। लेबनान (1983-1984) में अमरीकी सैनिकों की मौत हुई लेकिन कोई स्थायी शांति नहीं आई। लीबिया (1986) में गद्दाफी पर हमला, ईरान (1987-1988) में नौसेना संघर्ष, पनामा (1989) में नोरिएगा को हटाना-ये सभी फैसले अमरीका की ताकत दिखाने के लिए थे लेकिन उन्होंने क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ाई। इराक के खिलाफ 1991 का गल्फ वॉर, 1998 की बमबारी और 2003 का आक्रमण 'महाविनाश के हथियारों' के झूठ पर आधारित था। सद्दाम हुसैन को हटाया गया लेकिन इराक आज भी अराजकता में डूबा है, आई.एस.आई.एस. जैसे समूह पैदा हुए। सोमालिया (1992-1994, 2007-वर्तमान) में अमरीकी हस्तक्षेप ने समुद्री डकैती और आतंकवाद बढ़ाया। बोस्निया (1994-1995) में नाटो हमले, सूडान (1998) में दूतावास बमबारी, अफगानिस्तान (1998, 2001) में तालिबान के खिलाफ युद्ध-ये सभी अमरीका की 'आतंकवाद विरोधी' नीति के नाम पर थे, लेकिन अफगानिस्तान से 2021 की शर्मनाक वापसी ने साबित किया कि 20 साल का युद्ध व्यर्थ था। यूगोस्लाविया (1999) में नाटो बमबारी ने कोसोवो को अलग किया, लेकिन जातीय तनाव आज भी हैं। यमन (2002-वर्तमान) में ड्रोन हमलों ने नागरिकों को मार डाला, पाकिस्तान (2004) में भी यही हुआ। सीरिया (2014) में आई.एस.आई.एस. के खिलाफ हस्तक्षेप ने देश को बर्बाद कर दिया। लीबिया (2011) में गद्दाफी को हटाने के बाद देश गृहयुद्ध में फंस गया। और अब 2026 में वेनेजुएला, क्यूबा और ईरान पर झूठ। वेनेजुएला में अमरीका ने दावा किया कि मादुरो तानाशाह है, लेकिन यह तेल संसाधनों पर कब्जे की कोशिश है। क्यूबा पर दशकों से प्रतिबंध, लेकिन 2026 में नए आरोप लगाकर दबाव बढ़ाया जा रहा है। ईरान पर परमाणु कार्यक्रम के बहाने हमले की धमकी, जबकि ईरान शांति समझौते चाहता है। ये सभी फैसले गलत साबित हो चुके हैं।

महिला दिवस पर कौन बनेगा हजारपति प्रतियोगिता का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पाल्क संस्था द्वारा पिछड़ी बस्ती सूबेदारगंज में एक विशेष कार्यक्रम कौन बनेगा हज़ारपति प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन मेहनतकश महिलाओं को प्रोत्साहित करना था जो पहाड़ों से लकड़ी काटकर, पत्तल आदि बनाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करती हैं। कार्यक्रम के दौरान संस्था की ओर से पूर्णिमा गुप्ता द्वारा महिलाओं को हॉट सीट पर बैठाकर उनसे विभिन्न सामान्य ज्ञान व जागरूकता से जुड़े प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सबसे अधिक सही उत्तर देकर नगीना देवी विजेता बनीं और हज़ारपति का खिताब प्राप्त किया।विजेता प्रतिभागी नगीना देवी को संस्था की ओर से 1000 रुपये नगद एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों एवं बच्चों को भी उपहार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस कार्यक्रम में संस्था की अध्यक्ष बिंदु रैदानी, संरक्षक अर्चना खंडेलवाल, विनोद जैन प्रवीण मौर्य, आर्य मोदनवाल का विशेष सहयोग रहा द्य

होली मिलन समारोह का हुआ आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

सीखड़/मिर्जापुर। सोमवार को चुनार के विधायक अनुराग सिंह के नीज निवास सरोज सदन मंगरहा सीखड़ पर होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में चुनार विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों के साथ साथ चुनार नगर के लोग शामिल थे आवास पर आयें हुए लोगों को चुनार विधायक अनुराग सिंह ने अबीर गुलाल लगा कर बधाई दी। आयोजित इस होली मिलन समारोह में क्षेत्र के लोगों से आत्मीय मुलाकात का अवसर प्रदान हुआ है। उन्होंने कहा कि इस महापर्व को यादगार बनाएं। वहीं वाराणसी के मसहुर लोकगीत गायक रोजन अली ने एक से बढ़कर एक होली लोक गीत गाकर उपस्थित जनता को झुमने पर मजबूर कर दिया।उक्त अवसर पर नैनागढ़ पैलेस के संस्थापक सुरेश मिश्रा, जिला प्रतिनिधि पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रमोद कुमार पांडेय, जिला कार्यकारिणी सदस्य विजय नारायण सिंह मुन्ना, जिला उपाध्यक्ष रविन्द्र नारायण सिंह, विधायक प्रतिनिधि आलोक सिंह, जितेंद्र सिंह,मंगला सिंह,प्रवीण मिश्रा, सुरजीत सिंह, बब्बल पांडेय, मण्डल अध्यक्ष विजय भारद्वाज, ग्राम प्रधान दिनेश चौबे, एडवोकेट रूपेश पांडेय, ज्योति सिंह, चिन्ता मणी मौर्या, रानी सेठ , चन्द्रहास गुप्ता, मण्डल उपाध्यक्ष राजीव सिंह, रिंकू सिंह, प्रदिप सिंह, थानाध्यक्ष विजय शंकर सिंह,विनय राय, विमलेश सिंह, राहुल त्रिपाठी, दिनेश मिश्रा, नीरज पांडेय, सुनील पाल,एवं पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

शिक्षा महिलाओं को आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और नेतृत्व क्षमता प्रदान करती है

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। शिक्षा महिलाओं को आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और नेतृत्व क्षमता प्रदान करती है। जिससे वे समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। यह बात ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के शिक्षा विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शिक्षक डॉ. रामदास ने कही। कार्यक्रम का आयोजन विवि के एकेडमिक ब्लॉक स्थित पीएचडी कान्फ्रेन्स रूम में हुआ। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं की उपलब्धियों को सम्मान देना तथा महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। लेफ्टिनेंट डॉ बुशरा अलवेरा ने कहा कि यह दिवस विश्वभर में महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक योगदान को सम्मान देने तथा उनके अधिकारों और समान अवसरों की स्थापना के लिए मनाया जाता है। साथ ही उन्होंने कहा की शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया गया। डॉ. आयुष मिश्रा ने कहा कि शिक्षा महिलाओं के सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे समाज में समानता, सम्मान और संवेदनशीलता की भावना को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

डिजिटल मार्केटिंग एमएसएमई के लिए अनिवार्य है

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ । आज के दौर में डिजिटल मार्केटिंग एमएसएमई के लिए अनिवार्य है। यह बात भाषा विवि में एमएसएमई के लिए डिजिटल मार्केटिंग प्रबंधन विकास कार्यक्रम में वाणिज्य संकाय के अध्यक्ष प्रोफेसर हैदर अली ने कही। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय उद्यमिता माइंडसेट विकसित करने के लिए निरंतर कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। प्रो हैदर ने कहा कि विश्वविद्यालय में इस तरह के कार्यक्रम नौकरी से उद्यमिता की ओर माइंडसेट बदलाव को गति देगा। मुख्य अतिथि एमएसई के राजन यादव ने एमएसएमई के पांच स्तंभों-क्रेडिट गारंटी, वेंडर डेवलपमेंट, तकनीकी उन्नयन, उद्यमिता एवं कौशल विकास का उल्लेख करते हुए जोर दिया कि %जो दिखता है, वही बिकता है। %प्रख्यात जूट उद्यमी एवं जूट फॉर लाइफ की संस्थापक अंजली सिंह ने अपनी प्रेरक यात्रा से उपस्थित प्रतिभागियों को प्रभावित किया। अंजली सिंह ने जूट के व्यवसाय को डिजिटल मार्केटिंग के बारे में विस्तार से बताया।

अली ख़ामेनई की शहादत पर पत्रकार संवाद मंच का भावुक श्रद्धांजलि

● दिलों को चीर देने वाली विदाई, अमर हो गई ख़ामेनई की आवाज़

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। दुनिया की इस भागती-दौड़ती जिंदगी में कभी-कभी ऐसे क्षण आते हैं, जब समय ठहर सा जाता है। हवाओं में एक करुण स्वर गूंजता है, और दिल की धड़कनें मानो रुक सी जाती हैं। ऐसा ही एक दुखद क्षण आया है, जब ईरान के महान सुप्रीम लीडर, सैय्यद अली आयतुल्लाह ख़ामेनई की शहादत की खबर ने पूरी दुनिया को स्तब्ध कर दिया। उनकी विदाई नहीं सिर्फ एक नेता की मौत है, बल्कि मानवता के एक युग का अंत है, एक ऐसा युग जो न्याय, आस्था और अटूट साहस की मिसाल था। उनकी स्मृति में आज आंसुओं की धारा बह रही है, और हर आंख नम है, जैसे कोई अपनों को खोने का दर्द साझा कर रही हो।

ख़ामेनई की शहादत ने इंसानियत को रुला दिया,

आयतुल्लाह ख़ामेनई, वह नाम जो ईरान की धरती पर क्रांति की लौ जलाता रहा, और दुनिया भर में इस्लामी मूल्यों की रक्षा का प्रतीक बना। उन्होंने अपना जीवन समर्पित किया उन मूल्यों को जो इंसानियत को ऊंचा उठाते हैं, गरीबों की सेवा, अन्याय के खिलाफ आवाज, और शांति की पुकार। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उनकी गरजती हुई आवाज ने तानाशाहों को थर्रा दिया और दबे-कुचले लोगों को उम्मीद की किरण दी। लेकिन अब वह आवाज खामोश हो गई है। 28 फरवरी 2026 को तेहरान में हुए उस क्रूर हमले ने उन्हें हमसे छीन लिया, एक हमला जो अमेरिका-इजराइल की साजिश का हिस्सा था, और जिसने ईरान को 40 दिनों के शोक में डुबो दिया। उनकी शहादत ने साबित किया कि सच्चे नेता कभी मरते नहीं वे अमर हो जाते हैं, हमारी यादों में हमारी प्रार्थनाओं में।

इस गहन दुख की घड़ी में, पत्रकार संवाद मंच के सम्मानित अध्यक्ष महोदय, सईद खान उर्फ ताजू, ने अपनी भावुक वाणी से इस दर्द को शब्द दिए। उन्होंने कहा, आयतुल्लाह ख़ामेनई एक ऐसे नेता थे जिन्होंने अपना पूरा जीवन मानवता की सेवा में समर्पित कर दिया। उनकी शहादत एक अपूरणीय क्षति है, जिसे हम कभी भर नहीं सकते। वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक चमकते सितारे थे, जिनकी रोशनी ने करोड़ों दिलों को रोशन किया। उनके जाने से न सिर्फ ईरान, बल्कि पूरी दुनिया ने एक मार्गदर्शक खो दिया। हिंदुस्तान समेत कई देशों से आए शोक संदेश इस बात के गवाह हैं कि उनकी विरासत सीमाओं से परे है। अध्यक्ष महोदय की ये बातें मानो दिल को छू जाती हैं, जैसे कोई पिता अपने बच्चे को खोने का दर्द बयां कर रहा हो। उनकी आवाज में वह वजन है, जो पत्रकारिता की सच्चाई और आस्था की गहराई से आता है, एक ऐसा वजन जो हमें याद दिलाता है कि सच्चे नेता की कमी कैसे पूरी दुनिया को सूना कर देती है।

लखनऊ के हुसैनाबाद बड़ा इमामबाड़ा में आज आयोजित शोक सभा के दौरान सभी ने 2 मिनट का मौन रखा, जिससे पूरा माहौल और गहरा हो गया, इस दुख को साझा करने का एक पवित्र मंच बनी। यहां इकट्ठा हुए पत्रकार साथी, संगठन के पदाधिकारी और आमजन की आंखों में आंसू थे, जैसे कोई परिवार अपने मुखिया को विदा कर रहा हो। लोग फूलों की मालाएं लेकर आए, और आयतुल्लाह की तस्वीर पर उन्हें अर्पित करते हुए नमन किया। हवा में गूंजती दुआएं, और सिसकियां, सब कुछ इतना भावुक था कि हर दिल कराह उठा, संगठन के सदस्यों ने उनकी अच्छाइयों को याद किया, कैसे उन्होंने अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी, कैसे उन्होंने शांति का संदेश फैलाया। यह सभा सिर्फ शोक नहीं थी, बल्कि उनकी विरासत को जीवित रखने का संकल्प थी।

जब हम आयतुल्लाह ख़ामेनई की शहादत पर झुकते हैं, तो हमें याद आता है कि जीवन क्षणभंगुर है, लेकिन सच्चे कर्म अमर होते हैं। पत्रकार संवाद मंच की ओर से हम सभी से अपील करते हैं, इस दुख की घड़ी में एकजुट हों, निर्धारित समय पर शोक सभाओं में शामिल हों, और उनकी दिवंगत आत्मा को अपनी प्रार्थनाओं से श्रद्धांजलि अर्पित करें। उनकी स्मृति हमें प्रेरित करेगी, और उनके जाने का दर्द हमें मजबूत बनाएगा।

मौलाना सलीम का पुतला फूंका, गिरफ्तारी की मांग

लखनऊ। बिहार के एक मौलाना द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां को लेकर की गई कथित अभद्र टिप्पणी के विरोध में सोमवार को लखनऊ के हजरतगंज चौराहे पर सर्व समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने मौलाना सलीम का पुतला फूंककर कड़ी नाराजगी जताई और आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। दोपहर करीब दो बजे हजरतगंज चौराहे पर सर्व समाज के प्रतिनिधि और सदस्य बड़ी संख्या में एकत्र हुए और नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां के खिलाफ की गई टिप्पणी बेहद आपत्तिजनक है और इससे समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने मौलाना सलीम का पुतला दहन किया। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने सरकार से मांग की कि मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए संबंधित मौलाना को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए।

टीले वाली मस्जिद के सामने ई-रिक्शा स्टैंड पर युवक का शव मिलने से हड़कंप

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। पुराने लखनऊ में उस वक्त हड़कंप मच गया जब टीले वाली मस्जिद के सामने ई-रिक्शा स्टैंड पर एक युवक का शव पड़ा मिला। मामला थाना चौक क्षेत्र का है। करीब 12=30 बजे पुलिस को सूचना मिली कि ई-रिक्शा स्टैंड पर एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।मृतक की उम्र करीब 38 से 40 वर्ष बताई जा रही है और उसके शरीर पर कोई बाहरी चोट के निशान नहीं मिले हैं। फिलहाल शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया गया है। पुलिस मृतक की शिनाख्त कराने और मामले की जांच में जुटी हुई है।

पेजा कार्यालय में होली एवं अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कवि सम्मेलन संग समाजसेवी महिलाओं एवं वाणी पुत्रों का सम्मान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा कोनेश्वर तिराहा स्थित पेजा कार्यालय में होली मिलन एवं अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनागत कविता आंदोलन के प्रणेता डॉ.अजय प्रसून ने किया। मुख्य अतिथि पेजा के प्रांतीय अध्यक्ष सुनील त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि कुशवाहा मौर्य शाक्य सैनी कल्याण एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष विमल कुमार शाक्य एवं अतिविशिष्ट अतिथि नाज रिजवी रही। इस अवसर पर पेजा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश चंद्र कुशवाहा,पेजा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील त्रिपाठी,पेजा के राष्ट्रीय सलाहकार जीपी दीक्षित की विशेष उपस्थिति रही। समारोह का कुशल संचालन राम राज भारती ने किया। कार्यक्रम का आरंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। वाणी वंदना राम सनेही विश्वकर्मा सजल ने किया। इस अवसर पर डॉ. अजय प्रसून, गिरीश चंद्र कुशवाहा,डॉ. हिमांशु सक्सेना अर्श लखनवी, राम राज भारती, सुनील त्रिपाठी, विमल कुमार शाक्य, प्रेम लता सिंह, जी.एल. गांधी, राम सनेही विश्वकर्मा सजल, सुधा मिश्रा, रूबी यादव, जे.डी. सुमन, ज्योति साहू, सुबोध श्रीवास्तव, जी.पी. दीक्षित, गिरीश बाजपेई, मुकेश मिश्रा, बबीता ओबेरॉय, मुरारी लाल, राजेंद्र प्रसाद मौर्य, मुकेशा नंद, नाज रिजवी, अनुपमा सिंह, कविता निगम एवं सुषमा देवी आदि ने अपने गीत, गजल, छंद, मुक्तक एवं व्यक्तव्य से सबको भाव विभोर कर दिया। पेजा द्वारा कई दर्जन समाज सेवी मातृशक्तियों,पत्रकारों एवं वाणीपुत्रों को सम्मान पत्र एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। अंत में पेजा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश चंद्र कुशवाहा ने सभी आगंतुकों मातृशक्तियों, साहित्यकारों, श्रोताओं एवं पत्रकारों के आगमन पर हार्दिक धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम समापन की घोषणा की।

असम के सेपोन सेंट्रल रोंगाली बिहू कमिटी ने जुबिन गर्ग की स्मृति में संगीत कार्यक्रम किए रद्द।

परंपरागत अनुष्ठानों और सामुदायिक सभाओं पर केंद्रित रहेगा उत्सव।

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंकज नाथ

असम। सेपोन सेंट्रल रोंगाली बिहू कमिटी ने 2026 के आगामी रोंगाली बिहू समारोह के लिए सभी संगीत कार्यक्रम रद्द करने की घोषणा की है। यह फैसला असम के महान गायक जुबिन गर्ग को श्रद्धांजलि के रूप में लिया गया है। कमिटी की आधिकारिक विज्ञप्ति में जुबिन गर्ग के असमिया संगीत और संस्कृति के प्रति उनके अतुलनीय योगदान को याद किया गया। उन्हें %बिहू की आवाज% के रूप में वर्णित करते हुए कहा गया कि उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।कमिटी ने स्पष्ट किया कि पारंपरिक सांस्कृतिक और संगीत कार्यक्रमों के स्थान पर समारोह केवल प्रतीकात्मक ध्वज फहराने समारोह तक सीमित रहेगा। यह कदम गर्ग के निधन के प्रति गहन सम्मान का प्रतीक है। असम के दिल की धड़कन महान कलाकार जुबिन गर्ग का निधन 19 सितंबर 2025 को सिंगापुर में रहस्यमयी परिस्थितियों में हुआ था। इसके बाद असम पुलिस की विशेष जांच टीम ने दिसंबर 2025 में सात आरोपियों के खिलाफ विस्तृत चार्जशीट दाखिल की, जिसमें एक उत्सव आयोजक श्यामकानू महंत भी शामिल है। आरोपियों पर गर्ग की मौत के पीछे साजिश रचने का इल्जाम है।सेपोन कमिटी के इस फैसले को सोशल मीडिया पर भारी समर्थन मिला है। कई लोगों ने असम भर के अन्य बिहू कमिटियों से अपील की है कि वे भी स्वर्गीय गायक को सम्मानित करने के लिए इसी तरह के कदम उठाएं।

'प्रोजेक्ट गंगा' से गांवों तक पहुंचेगा हाई स्पीड इंटरनेट एक लाख रोजगार के अवसर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार डिजिटल कनेक्टिविटी और रोजगार बढ़ाने के लिए प्रोजेक्ट गंगा शुरू कर रही है। इसके तहत स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन और Hinduja Group की कंपनी ONEOTT Entertainment Limited के बीच एमओयू साइन हुआ है। सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि इस परियोजना के तहत अगले 2-3 वर्षों में प्रदेश के करीब 20 लाख घरों तक हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड इंटरनेट पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे लगभग एक करोड़ लोगों को फायदा मिलेगा। परियोजना के जरिए 8 से 10 हजार स्थानीय युवाओं को डिजिटल सेवा प्रदाता के रूप में तैयार किया जाएगा, जिसमें करीब 50त्न महिलाओं को अवसर देने की योजना है। इसके साथ ही एक लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।सरकार का कहना है कि गांवों में हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचने से ऑनलाइन शिक्षा, टेलीमेडिसिन,ई-कॉमर्स और डिजिटल व्यवसाय के नए अवसर खुलेंगे और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति।

गोमती नदी में अज्ञात महिला के शव की पहचान के लिए फोटो किया जारी

- **सवाल यह उठता है कि बैकुंठ धाम के पास गोमती नदी में बैरियर लगा है पानी रोकने वाला सिस्टम है पूरे नदी में तो यह लाश बैकुंठ धाम से शालीमार बिल्डिंग के सामने गोमती नदी में कैसे बह कर आ सकती हैं।**
- **क्या कही से लाश डाली गई है कहीं से लाकर**
- **उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में इस तरह की घटना अपराधियों के हौसलों को बुलंद है।**

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता शरद मिश्रा (क्रांति)

लखनऊ। थाना गोमती नगर विस्तार के क्षेत्र में शालीमार ऑन वर्ल्ड बिल्डिंग के सामने गोमती नदी में शुक्रवार 6.3.2026 सुबह मिली अज्ञात महिला का शव के बारे में कुछ पता नहीं चला संबंधित घटना की जांच कर रहे अधिकारी ने बताया की अज्ञात महिला के शव संबंध में पता नही लग पाया है।शव की पहचान के लिए फोटो पोस्टर छपवा कर बटवा दिये गया है। और सभी थानों पर गुमशुदगी की रिपोर्ट की जांच की जा रही है। ऐसा प्रतीत हो रहा है की महिला का शव कहीं से नदी में बहकर आ गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सत्या हॉस्पिटल में केक काटकर मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

नारी शक्ति एवं मातृ शक्ति का करें सम्मान: डॉ0 सत्य प्रकाश सिंह

नरायनपुर, मिर्जापुर। सत्या हॉस्पिटल नरायनपुर में अंतरास्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें हॉस्पिटल के सभी स्टाफ एवं आए हुए मरीजों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ0 रिंकी सिंह ने केक काटकर किया साथ ही सभी महिला स्टाफ को केक खिलाकर मुंह मीठा भी कराया तथा अंतराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की ढेरों शुभकामनाएं दीं। तत्पश्चात हॉस्पिटल के महिला स्टाफ को मुख्य अतिथि डॉ0 रिंकी सिंह ने अंगवस्त्र एवं हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ0 सत्य प्रकाश सिंह ने पौधा भेंट कर सम्मानित किए। मुख्य अतिथि ने गोष्ठी

में उपस्थित सभी लोगों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई दिया और संबोधित करते हुए कहा कि यह दिन केवल जश्न मनाने का नहीं बल्कि लैंगिक समानता, महिलाओं के सशक्तिकरण, और उनके अधिकारों को याद दिलाने का दिन है। उन्होंने बताया कि आज ही के दिन 8 मार्च 1917 को रूसी महिलाओं ने ब्रेड एंड पीस (रोटी और शांति) की मांग करते हुए ऐतिहासिक हड़ताल की थीं।जिसके बाद रूसी सरकार को वोट(मतदान) करने का अधिकार महिलाओं को देना पड़ा। जिसे बाद में संयुक्त राष्ट्र ने सन् 1975 में आधिकारिक तौर पर मान्यता दी। आज महिलाएं दुनिया का ऐसा कोई काम नहीं जो न करती हों। पर जरूरत इस बात की है कि उन्हें सुरक्षा और सम्मान दिया जाए। एक बच्चे को

पाल - पोश कर बड़ा करना और उसे काबिल बनाकर समाज के सामने खड़ा होने के योग्य बनाने का काम महिला करती है। मुझे यकीन है कि आप सब सभी मातृ शक्ति और नारी शक्ति की सुरक्षा, सहयोग एवं आगे बढ़ने में अपना योगदान अवश्य करेंगे। हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ0 सत्य प्रकाश सिंह ने महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि यत्र नारियस्ती पूज्यंते तत्र रमंते देवता अर्थात जहां पर नारी का सम्मान होता है वहां पर देवता निवास करते हैं। भारत वर्ष में सदियों से नारियों का सम्मान होता रहा है। आज हर क्षेत्र में नारी बढ़ - चढ़ कर भागीदारी कर रही हैं। महिलाओं ने अपने योग्यता का लोहा मनवाया है। इसमें कोई शक नहीं कि आज की महिलाएं पुरुषों से ज्यादा प्रतिभावान हैं। हमें भी चाहिए कि अपनी माता, बहन के अलावा अन्य दूसरी महिलाओं का सम्मान करें एवं उनका सहयोग और सुरक्षा करें। एक कहावत काफी प्रसिद्ध है कि हर कामयाब पुरुष के पीछे किसी न किसी महिला का हाथ अवश्य होता है। महिला ही वह शक्ति हैं जो किसी घर या समाज को समृद्ध एवं कुशल बनाने में अपना सौ प्रतिशत योगदान करतीं है। हमारे आज के इस आयोजन का यही उद्देश्य है कि हम सभी महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, और राजनीतिक अधिकारों के लिए उनके संघर्ष एवं उपलब्धियों का सम्मान करें। उम्मीद है आप लोग इस आयोजन से प्रेरणा लेंगे और ऐसा करने का प्रयास करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं को प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

बबराला। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उड़ान आर्टिस्ट ग्रुप बबराला की कलाकार ममता राजपूत सहित कई प्रतिभावान महिलाओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान उन छात्राओं को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने लोक कलाओं में जिले में प्रथम और मंडल स्तर पर भी प्रथम स्थान हासिल किया। इनमें माही गुप्ता और संजना यादव प्रमुख रूप से शामिल रहीं। साथ ही आंगनवाड़ी समेत विभिन्न विभागों से जुड़ी महिलाओं को भी उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अनामिका यादव, मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट और राज्य मंत्री गुलाबो देवी ने महिलाओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की उपलब्धियां समाज और जिले के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस अवसर पर संगीता भार्गव, ममता राजपूत सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

सीडीओ ने काझा में निर्माणाधीन कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के एकेडमिक ब्लॉक का किया निरीक्षण

मऊ। मुख्य विकास अधिकारी विवेक कुमार श्रीवास्तव ने विकास खंड रानीपुर का निरीक्षण कर विभिन्न योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अभिलेख अधूरे मिलने, सेवा पुस्तिका और जीपीएफ पासबुक अपूर्ण रखने तथा निर्माण से संबंधित पत्रावली लापरवाहीपूर्ण पाए जाने पर उन्होंने खंड विकास अधिकारी, लेखाकार और बाबू को कड़ी फटकार लगाई। साथ ही अभिलेखों को शीघ्र पूर्ण करने और योजनाओं के कार्यों को समय से पूरा कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजनाओं के कई कार्य अधूरे मिलने तथा शिकायतों के निस्तारण में समयबद्ध कार्रवाई न होने पर भी नाराजगी जताई गई। इसके बाद सीडीओ ने ग्राम पंचायत गोकुलपुरा में आयोजित जन चौपाल में भाग लेकर ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और उनकी समस्याएं सुनीं। जन चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने बिजली बिल अधिक आने की शिकायत की, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने अधिशासी अभियंता विद्युत को सभी उपभोक्ताओं के बिलों की जांच कर आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए। साथ ही खंड विकास अधिकारी रानीपुर को भी शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के लिए निर्देशित किया। इसके बाद सीडीओ ने महात्मा गांधी नरेगा और राज्य वित्त योजना के तहत कराए गए निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर पाई गई कमियों को दूर करने के निर्देश दिए। वहीं ग्राम पंचायत काझा में निर्माणाधीन कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के एकेडमिक ब्लॉक का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण में पाया गया कि निर्माण कार्य की प्रगति धीमी है और मजदूर व मिस्त्री भी कम लगाए गए हैं। इस पर उन्होंने असंतोष व्यक्त करते हुए कार्यदायी संस्था आरईडी के एई और जेई को फटकार लगाई तथा निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूरा कराने के सख्त निर्देश दिए।

रंग पंचमी पर राजघाट गंगाघाट में श्रद्धालुओं ने किया स्नान

बबराला। रंग पंचमी के अवसर पर बबराला स्थित राजघाट गंगाघाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान कर पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाकर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। रंग पंचमी के दिन स्नान का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। गंगा आरती के पुरोहित सत्यम मिश्रा ने बताया कि रंग पंचमी का त्योहार हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखता है। मान्यता है कि इस दिन देवी-देवता पृथ्वी पर आकर भक्तों के साथ रंगों का उत्सव मनाते हैं। इसी कारण इसे देव पंचमी और श्री पंचमी भी कहा जाता है। वहीं संतोषी माता श्री बांके बिहारी मंदिर के पंडित श्याम बिहारी ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार होली के पांचवें दिन, चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि को रंग पंचमी का पर्व उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाता है। इसके साथ ही ब्रज क्षेत्र में लगभग 40 दिनों तक चलने वाले रंगोत्सव का समापन भी हो जाता है। इस दिन श्रद्धालु विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हैं। रंग पंचमी के अवसर पर गंगाघाट पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली।

डिघारी ग्राम पंचायत की दलिया फैक्ट्री में अनियमितता का आरोप, पैकेट पर 1 किलो 42 ग्राम लिखकर दिया जा रहा 840 ग्राम राशन

लखनऊ। मोहनलालगंज विकास खंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत डिघारी में संचालित दलिया फैक्ट्री पर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। आरोप है कि यहां तैयार किए जा रहे दलिया के पैकेटों पर निर्धारित वजन से अधिक मात्रा अंकित की जा रही है, जबकि वास्तविकता में पैकेटों का वजन काफी कम पाया गया है। इस मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत डिघारी में लक्ष्मी प्रेरणा उद्योग के नाम से दलिया फैक्ट्री संचालित की जा रही है, जहां तैयार दलिया की आपूर्ति सरकारी योजना के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों को की जाती है। यह दलिया गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं और छोटे बच्चों के पोषण के लिए वितरित किया जाता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि फैक्ट्री में तैयार किए जा रहे पैकेटों पर 1 किलो 42 ग्राम वजन अंकित किया जाता है, लेकिन जब कुछ पैकेटों की तौल कराई गई तो उनका वास्तविक वजन करीब 840 ग्राम ही निकला। यानी प्रति पैकेट लगभग 200 ग्राम से अधिक

की कमी पाई गई। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह की अनियमितताओं से सरकार की पोषण योजनाओं का उद्देश्य प्रभावित हो रहा है और जिन गर्भवती महिलाओं व बच्चों के लिए यह राशन भेजा जाता है, उनके हक पर डाका डाला जा रहा है। लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी इस गड़बड़ी को नजरअंदाज कर रहे हैं, जिससे योजना का लाभ जरूरतमंदों तक पूरी तरह नहीं पहुंच पा रहा है। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगी तो पोषण योजना में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की आशंका बनी रहेगी। फिलहाल इस पूरे मामले में संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यदि प्रशासन द्वारा जांच कराई जाती है तो फैक्ट्री में हो रही आपूर्ति और पैकेटों के वास्तविक वजन की सच्चाई सामने आ सकती है।

आरएसएस नेता पर जमीन कब्जे का आरोप, पीड़ित ने दी आत्मदाह की चेतावनी

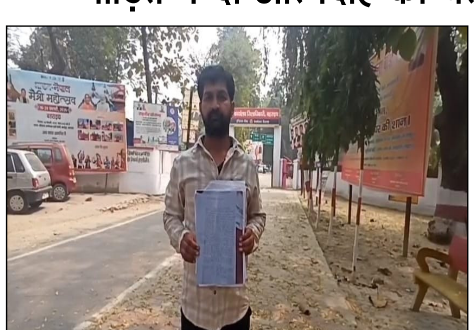

बहराइच। जिले के कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे विजय शंकर पांडे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक स्थानीय नेता पर उनकी पैतृक जमीन पर अवैध कब्जे का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित का कहना है कि वह लंबे समय से न्याय के लिए अधिकारियों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। पीड़ित विजय शंकर पांडे के अनुसार, आरएसएस नेता कमलेश कुमार अग्रवाल, जो पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट बताए जा रहे हैं, अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर उनकी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनके पास जमीन से जुड़े सभी वैध दस्तावेज मौजूद हैं। पीड़ित का कहना है कि उपजिलाधिकारी (एसडीएम) द्वारा यथास्थिति बनाए रखने का आदेश भी दिया गया है, इसके बावजूद कथित दबंगों द्वारा निर्माण कार्य जारी रखा गया है। विजय शंकर पांडे ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। उन्होंने प्रशासन से मामले में निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित ने चेतावनी दी है कि यदि उन्हें जल्द न्याय नहीं मिला तो वह परिवार सहित आत्मदाह करने को मजबूर हो सकते हैं। वहीं इस मामले में अभी तक संबंधित पक्ष या प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

महिला दिवस पर कलेक्ट्रेट सभागार में भव्य कार्यक्रम

उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाएं की गई सम्मानित

पीडीडीयू चंदौली। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में ÷मिशन शक्ति÷ अभियान के तहत स्वावलंबन, सुरक्षा और सम्मान विषय पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सैय्यदराजा विधायक सुशील सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह का सजीव प्रसारण दिखाया गया और मुख्यमंत्री के संबोधन को सुना गया। साथ ही पिंक रोजगार महाकुंभ पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया।

मुख्यमंत्री ने वाराणसी मंडल की मातृशक्ति से संवाद करते हुए चन्दौली की प्रगतिशील कृषक एवं महिला उद्यमी सोनी कुमारी से भी बातचीत की। सोनी कुमारी ने बताया कि वह एफपीओ के माध्यम से फूलों की खेती और स्वयं सहायता समूह का संचालन कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने उनके प्रयासों की सराहना करते हुए अन्य महिलाओं को प्रशिक्षण देने और उनके उत्पादों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में यूपी की नारी, शान हैं हमारी थीम के तहत विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं, बाल विवाह रोकथाम में योगदान देने वाली महिलाओं तथा मेधावी छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विधायक सुशील सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए लगातार कार्य कर रही है। स्वयं सहायता समूहों और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाएं तेजी से आत्मनिर्भर बन रही हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार की योजनाओं से महिलाओं को रोजगार और आत्मनिर्भर बनने के नए अवसर मिल रहे हैं, जिससे वे हर क्षेत्र में आगे बढ़कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं। कार्यक्रम में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के तहत नवचयनित मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए गए। अंत में डीसी एनआरएलएम श्वेता सिंह ने सभी अतिथियों और उपस्थित महिलाओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी आर. जगत साईं, अपर जिलाधिकारी राजेश कुमार (वि.रा.), पीडी बीबी सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार जरूरी: डॉ. वत्साचार्य जी महाराज

अयोध्या। उच्च शिक्षा के नियमों (यूजीसी) को लेकर देशभर में चल रही बहस और विरोध प्रदर्शनों के बीच सनातन समाज पार्टी के संस्थापक डॉ. श्री वत्साचार्य जी महाराज ने दिल्ली में प्रदर्शन से पहले कार्यकर्ताओं को होम अरेस्ट किए जाने की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर रोक लगाना लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है। डॉ. वत्साचार्य ने कहा कि लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित नहीं है, बल्कि असहमति व्यक्त करना भी इसकी अहम विशेषता है। यदि कोई नागरिक या समूह किसी नीति से असहमत है तो उसे शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को दमनात्मक कदम उठाने के बजाय संवाद का रास्ता अपनाना चाहिए। उन्होंने सवर्ण समाज की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि विभिन्न नीतियों और कानूनों के कारण सवर्ण समाज को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उनके अनुसार शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में अवसर सीमित होते जा रहे हैं और कुछ कानूनों के दुरुपयोग की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। डॉ. वत्साचार्य ने सवर्ण समाज से संगठित होने का आह्वान करते हुए कहा कि अपने अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुटता जरूरी है। उन्होंने कहा कि सनातन समाज पार्टी समाज के सभी वर्गों के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि शिक्षा और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों पर दिए गए इस बयान से आने वाले समय में नई राजनीतिक बहस को बल मिल सकता है।

घी के कंटेनर में छिपाकर लाई जाती थी चरस,क्राइम ब्रांच व फीलखाना पुलिस ने दबोचे दो तस्कर

कानपुर। शहर में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत क्राइम ब्रांच और फीलखाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो चरस तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से करीब डेढ़ किलोग्राम चरस बरामद की है। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है। अपर पुलिस उपायुक्त एसओजी सुमित सुधाकर रामटेके ने प्रेस वार्ता में बताया कि रविवार को चलाए गए अभियान के दौरान फीलखाना क्षेत्र से आशु निगम और नौशाद को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि चरस नेपाल से गोरखपुर के रास्ते कानपुर लाई जाती थी और बाद में शहर के फीलखाना व आसपास के इलाकों में इसकी छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर सप्लाई की जाती थी। पुलिस के अनुसार आरोपी तस्करी के लिए बेहद शातिर तरीका अपनाते थे। वे स्टील या प्लास्टिक के कंटेनरों और बोतलों में चरस छिपाकर लाते थे। कंटेनर के ऊपरी हिस्से में घी भर दिया जाता था, जबकि नीचे चरस रखी जाती थी, ताकि किसी को शक न हो और आसानी से पुलिस की नजर से बचा जा सके। प्रारंभिक पूछताछ में यह भी सामने आया है कि दोनों आरोपी पिछले तीन से चार वर्षों से इस अवैध कारोबार में लिप्त थे। उनके खिलाफ पहले भी कई मुकदमे दर्ज हैं और वे जेल भी जा चुके हैं। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर शहर में चरस, गांजा और अन्य मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

चौपाल कार्यक्रम में समाजसेवी संगठन से जुड़ी महिलाओं ने व्यक्त किए विचार

बहराइच। शहर के मोहल्ला सूफीपुरा स्थित गायत्री बाल संस्कार शाला परिसर में रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण विषय पर चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी संगठनों से जुड़ी महिलाओं ने महिला सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा महिला मोर्चा की संयोजिका सोनी श्रीवास्तव ने की। इस दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रद्धा पांडेय ने कहा कि महिलाओं के सर्वांगीण उत्थान और शिक्षा से ही सशक्त समाज तथा सुदृढ़ परिवार का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि अशिक्षा, कुरीतियों और नशे से मुक्त समाज बनाने के लिए जागरूक महिलाओं को अपने नैतिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए जनजागरण अभियान चलाना चाहिए। तभी मजबूत परिवार, जागरूक समाज और विकसित राष्ट्र का निर्माण हो सकेगा। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार महिलाओं के कल्याण के लिए कई योजनाएं संचालित कर रही है। विद्यालय की प्राचार्या रेखा श्रीवास्तव ने बताया कि गायत्री परिवार के तत्वावधान में महिलाओं को जागरूक बनाने के लिए घर-घर संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इसके माध्यम से अशिक्षित बच्चों को गायत्री बाल संस्कार शाला से जोड़कर उन्हें शिक्षा देने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन शालू सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन मंजू निगम ने किया। कार्यक्रम में शीला श्रीवास्तव, पूनम श्रीवास्तव, निशा शर्मा, निर्मला सिंह, मोनिका शुक्ला, अनुराधा वर्मा, तृप्ति श्रीवास्तव, कांति मिश्रा, आद्या निगम, दीपिका निगम, प्रीति सिंह, नमिता शुक्ला, रश्मि पांडेय, वंदना सिंह सहित कई महिलाएं उपस्थित रहीं।

विद्याकुंड में बिखरे फाग के रंग, वंदना उपाध्याय ने किया नारी शक्ति का वंदन

अयोध्या। धर्मनगरी के विद्याकुंड स्थित श्री परमहंस शिक्षण-प्रशिक्षण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रविवार को 'होली मिलन एवं रंगोत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। रामाय सेवा ट्रस्ट और महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में सांस्कृतिक उत्साह के साथ महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एआरटीओ ऋतु सिंह व अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर रामाय सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष वंदना उपाध्याय ने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि आपसी कटुता मिटाकर प्रेम और सद्भाव बढ़ाने का पर्व है। उन्होंने कहा कि होली की खुशियां महिलाओं की भागीदारी के बिना अधूरी हैं और समाज में नारी शक्ति को और अधिक सशक्त व स्वावलंबी बनाने की आवश्यकता है। समारोह में स्थानीय कलाकारों ने पारंपरिक फाग गीतों और लोक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिससे पूरा परिसर फागुन के रंगों में सराबोर हो गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने रसायनों के बजाय फूलों और गुलाल से होली खेलकर ईको-फ्रेंडली होली मनाने का संदेश दिया।

महाविद्यालय के प्रबंधक ऋषिकेश उपाध्याय ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए युवाओं से अपील की कि वे त्योहारों को मनाते समय जल संरक्षण और पर्यावरण की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। कार्यक्रम में क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक, शिक्षाविद और बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

कोंकणा सेन शर्मा

सत्ता में महिलाओं के प्रति लोगों की प्रतिक्रिया उनके बारे में बहुत कुछ बताती है, कई लोग असहज महसूस करते हैं

श्एक्यूज्डश् के पीछे की टीम – कोंकणा सेन शर्मा, प्रतिभा रांटा और अनुभूति कश्यप – एल्गोरिदम युग की कहानी कहने की कला, क्वीर संयम और वफ़ादारी और संदेह के बीच के असहज ग्रे जोन को उजागर करती है। फ्रमहत्वपूर्णफ्र हिंदी फिल्मों पर होने वाली चर्चाओं में एक जानी-पहचानी प्रक्रिया देखने को मिलती हैरू प्रतिनिधित्व के बारे में विनम्र प्रस्तावना, बारीकियों पर अपेक्षित ध्यान देना। यह फिल्म भी वहीं से शुरू होती है और फिर, सौभाग्य से, उस प्रक्रिया से भटक जाती है। फिल्म श् एक्यूज्ड श् एक धीमी गति से बिगड़ते नैतिक चक्र की कहानी हैरू जब सम्मानित डॉक्टर गीतिका (कोंकणा सेन शर्मा) पर यौन दुराचार का आरोप लगता है, तो उनकी साथी मीरा (प्रतिभा रांटा) वफ़ादारी और संदेह, प्रेम और आत्मरक्षा के बीच फंसी रह जाती है। एक व्यक्तिगत संकट के रूप में शुरू हुआ यह मामला जल्द ही एक जटिल मुद्दे में तब्दील हो जाता है – सत्ता, इच्छा और सार्वजनिक जीवन में आरोपों के बाद की अनिश्चित स्थिति के बारे में। आगे चलकर विभिन्न पहलुओं का सावधानीपूर्वक विश्लेषण किया गया हैरू दर्शकों को कितना बांधे रखा जा सकता है इससे पहले कि वे टूट जाएं, समलैंगिक अंतरंगता अभी भी संयमित मात्रा में क्यों दिखाई जाती है, और ऐसे युग में फिल्में बनाने का क्या अर्थ है जहां एल्गोरिदम एक अदृश्य सह-निर्माता है। निर्देशक अनुभूति कश्यप ध्यान की घटती अवधि के प्रति गहरी जागरूकता के साथ बात करती हैंय कोंकणा सेन शर्मा नैतिक अस्पष्ट क्षेत्रों की रचनात्मक बेचैनी की ओर आकर्षित रहती हैंय और प्रतिभा रांटा मीरा की अनिश्चितता के पीछे छिपी ईमानदारी और लगभग गणितीय सटीकता को उजागर करती हैं। इस बातचीत के पीछे एक सवाल छिपा हुआ है, जिसके इर्द-गिर्द फिल्म घूमती तो है लेकिन कभी पूरी तरह से हल नहीं कर पातीरू महिलाओं के बारे में जटिल कहानियों को कैसे बताया जाए जब पूरा माहौल – उद्योग, दर्शक, हर कोई – अभी भी इस बात पर विचार कर रहा हो कि वह कितनी जटिलता को स्वीकार करने को तैयार है? बातचीत के संपादित अंशरू ज्भ्त् इंडिया रू कोंकणा, आपने पहले भी समलैंगिक किरदार निभाए हैं, और आप अक्सर उन्हें आसानी से वर्गीकृत करने से बचती रही हैं। कुछ रूढ़िबद्ध धारणाएं हैं जिनका हर कोई पालन करता है, और आप हमेशा उनके विपरीत अभिनय करती हैं। इस किरदार के माध्यम से आप किस बात को चुनौती देना चाहती थीं? कोंकणा सेन शमारू मुझे खुशी है कि आप ऐसा महसूस करती हैं। यह कोई सचेत चुनाव नहीं, बल्कि मेरे व्यक्तित्व का ही विस्तार है। मुझे हमेशा उन कहानियों में रुचि रही है जो अनकही या कम चर्चित हों – प्रचलित कहानियों में नहीं। मुझे ये बातें इसलिए आकर्षित करती हैं क्योंकि ये कम जानी-पहचानी होती हैंय इनमें नए पहलू होते हैं। मुझे कहानी कहने में सूक्ष्मता और गहराई पसंद है, जो इस फिल्म में मौजूद है और अनुभूति ने इसे बखूबी जीवंत किया है। यह मेरे विचारों से पूरी तरह मेल खाता है। मैं जानबूझकर ऐसा नहीं करता, लेकिन मुझे रूढ़िवादिता और सामान्यीकरण से नफ़रत है। ये उबाऊ और आसान जवाब होते हैं। चीजों को जटिल बनाने के तरीके देखना हमेशा अच्छा लगता है। इस पर विचार करना अधिक मजेदार होता है, और थोड़ी सी असहजता हमेशा अच्छी होती है। आप सोचते हैं, अगर मैं यह कहूँ तो क्या होगा? यह बस अधिक रोचक है। ज्भ्त् इंडिया रू अनुभूति, लगभग एक घंटे तक – जो कि फिल्म का अधिकांश समय है – यह फिल्म लगातार तनाव से भरी रहती है। यह आपको हर पल उत्सुक बनाए रखती है। यह एक मुश्किल स्थिति है क्योंकि तनाव कभी-कभी हद से ज्यादा हो सकता है। जब कोई चीज इतनी कसकर लिपटी हो, तो आप कैसे तय करते हैं कि कितना तनाव हद से ज्यादा है? क्या आप दर्शकों को थोड़ा आराम देना चाहते हैं, या बस तनाव को बनाए रखना चाहते हैं? अनुभूति कश्यपरू यह एक पेचीदा सवाल है क्योंकि कभी-कभी आप दर्शकों को थोड़ा आराम देना चाहते हैं – यह फिल्म के प्रकार पर निर्भर करता है। इस फिल्म में, हम एक बेहद दिलचस्प कहानी बताना चाहते थे, इसलिए हमने इस पर अथक परिश्रम किया। बहुत सारी प्रतिक्रियाओं के बाद हम इस नतीजे पर पहुंचे। मैं लगातार बारीकी से नोट्स लेती रही और फिल्म को अलग-अलग चरणों में अलग-अलग लोगों को दिखाती रही – उनसे पूछती रही, क्या आप यहां सहज महसूस कर रहे थे? क्या आप इस बिंदु पर फिल्म से बाहर निकल रहे थे? मैं उन नोट्स को लेती और उन पर काम करती ताकि दर्शकों को आराम करने का मौका ही न मिले। यही प्रक्रिया थी। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मुझे बीच-बीच में रुकने का आनंद नहीं आता। मुझे तो यह बहुत पसंद है। कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जिनमें धीमी गति से आगे बढ़ना फिल्म के माहौल के साथ खूबसूरती से मेल खाता है। यह वैसी फिल्म नहीं थी। साथ ही, मैं आज के दर्शकों और उनके धैर्य की कमी को ध्यान में रखते हुए फिल्म बना रहा हूँ। इसे घटती हुई एकाग्रता कहते हैं। इसलिए हमने फिल्म को संक्षिप्त रखा ताकि उन्हें रुकने, नजर हटाने या चाय बनाने जाने का कोई बहाना न मिले। श्केनेडीश् फिल्म समीक्षारू एक हिटमैन ड्रामा जो खुद अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारता है ज्भ्त् इंडिया रू लेकिन यह जोखिम भरा भी है। अगर आप उन्हें इतने लंबे समय तक सस्पेंस में रखते हैं, तो मिलने वाला परिणाम उस असुविधा के लायक होना चाहिए। क्या आपको चिंता थी कि अगर परिणाम पर्याप्त बड़ा नहीं लगा, तो इससे सारा तनाव कम हो सकता है? अनुभूतिरू आपने बिल्कुल सही कहा। इस फिल्म को लेकर यही सबसे बड़ी दुविधा थी। आज हम नेटफ्लिक्स के लिए फिल्में बना रहे हैं – सिर्फ दर्शकों के लिए ही नहीं, बल्कि एल्गोरिदम के लिए भी। तो ऐसे में संतुलन कैसे बनाए रखा जाए? यह बात हमेशा मेरे मन में रहती थीरू अगर बहुत ज्यादा तनाव होगा, तो लोग ऊब सकते हैं और फिल्म का नतीजा उतना प्रभावशाली नहीं लगेगा। हमने सभी संबंधित पक्षों से इस बारे में काफी चर्चा की और आखिरकार इस नतीजे पर पहुंचे कि इस रास्ते पर चलना बेहतर है। टीएचआर इंडिया रू प्रतिभा, फिल्म में आपका किरदार आस्था और संदेह के बीच झूलता रहता है। आप पूरी तरह से किसी एक पक्ष में नहीं हैं, जिसे दोहराव से बचाते हुए बनाए रखना मुश्किल है। आपने मीरा को हर दृश्य में किस स्थान पर रखने का निर्णय लिया? प्रतिभा रांटारू मेरे लिए, यह ख्अनुभूति, मैम के साथ बहुत सारी चर्चाएँ और कई पठन सत्र और कार्यशालाओं का सिलसिला था। हमने बहुत तैयारी की थी। क्योंकि मुझे कहानी में क्या हो रहा है, यह पता था, इसलिए मैं अपने लिए एक पृष्ठभूमि तैयार कर सकी – मीरा कैसा महसूस कर रही है, इस दृश्य से पहले क्या हुआ है। मैं अपनी खुद की भावनात्मक निरंतरता बनाती थीरू पिछले दृश्य में उसके मन में जो भावना थी, और अगले दृश्य में प्रवेश करते समय उसके मन में जो भावना है, उसे ध्यान में रखती थी। उसमें बहुत संयम भी है क्योंकि वह बहुत कुछ समझ रही है और खुद को खोज रही है। भावनाओं को संतुलित करना महत्वपूर्ण था ताकि प्रत्येक दृश्य में थोड़ी अलग ऊर्जा हो। अनुभूतिरू मुझे कहना होगा कि उन्होंने मीरा के किरदार को बहुत ही शानदार तरीके से गढ़ा दृ जब उसे संदेह होने लगता है, जब वह डटकर खड़ी होती है और विरोध करती है। कभी-कभी तो वह मुझे टोकती भी थींरू नहीं, इस दृश्य में मुझे नहीं लगता कि मैं अभी उस मुकाम पर पहुंची हूं जहां मैं गीतिका से असहमत हो सकूं। उन्होंने बहुत अच्छा काम किया। ज्भ्त् इंडिया रू इतने गंभीर विषयों पर बनी फिल्म में, दोनों किरदारों के बीच शारीरिक अंतरंगता की कमी साफतौर पर नजर आती है। हमें समलैंगिक कहानियों में ऐसा कम ही देखने को मिलता है जहाँ लोगों को खुलकर अंतरंग होने की अनुमति दी जाती हैकृजरूरी नहीं कि यौन अंतरंगता हो, बल्कि भावनात्मक और शारीरिक निकटता। हम उनके बीच और अधिक स्पष्ट इच्छा द`खना चाहते थे। क्या यह संयम एक राजनीतिक निर्णय थाकृक्योंकि आपको लगता है कि दर्शक इसके लिए तैयार नहीं हैं? और दोनों अभिनेताओं के लिएरू क्या अंतरंगता की इस कमी ने उनके बीच केमिस्ट्री बनाने के तरीके को प्रभावित किया? अनुभूतिरू आप सही कह रही हैंकृयह एक राजनीतिक फैसला था। मैं भी समलैंगिक कहानियों में और अधिक आत्मीयता देखना चाहती हूँ। लेकिन भारत में हम अभी उस स्तर पर नहीं पहुँचे हैं। सीधे अगले कदम पर जाने के बजाय, हमने सोचा कि यह एक मध्यवर्ती कदम हो सकता हैकृभारतीय दर्शकों को असहज किए बिना इस रिश्ते को सामान्य बनाने का। हमारा विचार था कि लोग पहले समलैंगिक रिश्तों को सामान्य रूप से स्वीकार करें। फिर वे अगले कदम के लिए तैयार होंगे। हम चाहते हैं कि अधिक से अधिक लोग समलैंगिक संबंधों को स्वीकार करें। यही हमारा एकमात्र उद्देश्य था। अनुराग कश्यप ने भारत में स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं के बीच एकजुटता की कमी पर कहारू श्कोई सामूहिक भावना नहीं हैश् टीएचआर इंडिया रू कोंकणा, खासकर गीली पुची जैसी फिल्म करने के बाद , जिसमें शारीरिक अंतरंगता बहुत ज्यादा थी, यहाँ इसकी कमी साफ नजर आती है। शायद सिर्फ दो ही सीन हैं जिनमें आप दोनों शारीरिक रूप से एक साथ हैं। कोंकणारू हमने शूटिंग के दौरान एक छोटा सा चुंबन जरूर शामिल किया था, क्योंकि यह एक सार्वजनिक स्थान पर शूट किया जा रहा था और एक खुशी की घोषणा का दृश्य था। बाद में कहानी के घटनाक्रम के कारण इसमें ज्यादा गुंजाइश नहीं रह गई थी। बेशक, ऐसी आत्मीयता हमेशा अच्छी लगती है। इसे अनुभूति की छोटी-छोटी कदमों वाली बात के संदर्भ में देखना होगा। दुर्भाग्य से, कभी-कभी ऐसा करना जरूरी हो जाता है। इसीलिए हमने चुंबन का दृश्य शामिल किया – ताकि यह सामान्य और विश्वसनीय लगे, क्योंकि वे साथ में एक बच्चे के माता-पिता बनने वाले हैं। मुझे बहुत खुशी है कि हम इसे शामिल कर सके। अनुभूतिरू फिल्म के बाद, हमें और अधिक सराहना मिली है कृ खासकर क्वीर समुदाय से कृ क्योंकि अंतरंगता की कमी महसूस करने वालों की संख्या से कहीं अधिक लोग इस फिल्म को देखने आ रहे हैं। मुझे लगता है कि यही मुख्य कारण था। प्रतिभारू मुझे भी लगा कि कहानी आगे बढ़ने के साथ अंतरंगता की गुंजाइश कम रह जाती है क्योंकि कुछ और भी चल रहा हैकृगीतिका पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। लेकिन मुझे लगता है कि गीतिका और मीरा के बीच खूबसूरत भावनात्मक अंतरंगता है। उनका रिश्ता टूट रहा है और वे उसे बचाने की कोशिश कर रही हैं। बेशक, यह शारीरिक रूप से बहुत गहरा नहीं है, लेकिन भावनात्मक अंतरंगता उनके व्यवहार के बारे में बहुत कुछ कहती है। मुझे यह बहुत पसंद आयाय यह किसी भी अन्य रिश्ते जैसा लगा। एक दोस्त ने मुझे बताया कि इस फिल्म की सबसे अच्छी बात यह है कि यह उपदेशात्मक नहीं है। यह सीधे तौर पर कुछ कहती नहीं है... बस मौजूद है। मुझे लगता है कि इन छोटे-छोटे कदमों से हमने इसे बहुत खूबसूरती से सामान्य बना दिया है। ज्भ्त् इंडिया रू महिलाओं पर केंद्रित इस कहानी में दोनों जांचकर्ताओं को पुरुष बनाने के विवादास्पद फैसले के बारे में हमें बताएं। महिलाओं के जीवन के व्याख्याकार के रूप में पुरुषों को क्यों प्रस्तुत किया गया? क्या यह जानबूझकर किया गया था? अनुभूतिरू यह एक सोची-समझी रणनीति थी दृ सिर्फ उकसाने के लिए नहीं, बल्कि लैंगिक संतुलन बनाए रखने के लिए भी। अभी हम ऐसी फिल्म नहीं बना सकते जिसमें 90 या 100 प्रतिशत महिलाएँ होंय दोनों लिंगों का होना जरूरी है। लेकिन हाँ, पुरुषों को ये भूमिकाएँ देना जानबूझकर किया गया था। उनके अपने पूर्वाग्रह भी होते हैं। इसीलिए दोनों जाँचकर्ताओं के मामले को देखने के नजरिए में थोड़ा अंतर है। यह अंतर जानबूझकर रखा गया था। ज्भ्त् इंडिया रू कोंकणा, आपके किरदार की महत्वाकांक्षा को लगभग उसके खिलाफ सबूत के तौर पर पेश किया जाता है। क्या आपको लगता है कि दर्शक अब भी उन महिलाओं को लेकर असहज हैं जो निडर होकर सत्ता हासिल करना चाहती हैं? क्या आपने व्यक्तिगत रूप से ऐसा अनुभव किया है? नेटफ्लिक्स की 2026 की रिलीजरू श्लस्ट स्टोरीजश् का तीसरा सीजन राधिका आप्टे, कोंकणा सेन शर्मा, अली फज़ल और अन्य कलाकारों के साथ वापसी कर रहा है। कोंकणा सेनशर्मा की पसंदीदा किताबेंरू अभिनेत्री-निर्देशक इस महीने कौन सी किताबें पढ़ रही हैं? कोंकणारू मैंने व्यक्तिगत रूप से इसका उतना अनुभव नहीं किया हैकृमुझे अपने विशेषाधिकार प्राप्त हैंकृलेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि सत्ता में बैठी कई महिलाओं को इसका सामना नहीं करना पड़ता। किसी ने एक बार कहा था, सत्ता भ्रष्ट करती है और निरंकुश सत्ता तो पूरी तरह भ्रष्ट कर देती है कृमुझे याद नहीं आ रहा किसने कहा था, शायद प्लेटो ने... शायद स्पाइडर-मैन ने , हमें नहीं पता। (हंसती है) पितृसत्ता से निपटने का एक तरीका यह है कि इससे प्रभावित महिलाओं और पुरुषों दोनों को मानवीय दृष्टिकोण से देखा जाए – न कि महिलाओं को संत और पुरुषों को पापी के रूप में देखा जाए। यह मामला कहीं अधिक जटिल है। सत्ता में बैठी महिलाओं के प्रति लोगों की प्रतिक्रिया उनके बारे में बहुत कुछ बताती है। कई लोग असहज महसूस करते हैं। महिलाओं से अक्सर उच्च स्तर की अपेक्षाएँ रखी जाती हैं दृ वही व्यवहार अगर महिला करे तो उसे दबंगई कहा जाता है, लेकिन पुरुष करने पर नहीं। साथ ही, महिला होने का मतलब यह नहीं कि आप मानवीय कमियों से अछूती हैं। यही इस किरदार को मानवीय रूप देने का एक हिस्सा है। मीरा और गीतिका दोनों को अपने रिश्ते की कमियों का सामना करना पड़ता है। मुझे इस कहानी में कुछ बेहद हानिकारक पुरुष व्यवहार पैटर्न को शामिल करने में मजा आया।

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा जबसे मां बनी हैं वो अपने मदरहुड फेज को खूब एंजॉय कर रही हैं. सोशल मीडिया पर भी वो मदरहुड के बाद हुए बदलाव और अपने बेटे से जुड़े चीजों के बारे में शेयर करती रहती हैं. बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा जबसे मां बनी हैं वो अपने मदरहुड फेज को खूब एंजॉय कर रही हैं. सोशल मीडिया पर भी वो मदरहुड के बाद हुए बदलाव और अपने बेटे से जुड़े चीजों के बारे में शेयर करती रहती हैं. बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने अक्तूबर 2025 में अपने पहले बच्चे का स्वागत किया. अब ये कपल अपनी पेरेंटहुड जर्नी को एंजॉय कर रहा है. परिणीति चोपड़ा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपने बेटे नीर के नर्सरी की झलक शेयर की है. परिणीति ने बेटे नीर की नर्सरी को पर्सनल टच दिया है. इतना ही नहीं उन्होंने हर कोने को क्लासी बनाने के लिए व्हाइट कलर का इस्तेमाल किया है. परिणीति चोपड़ा ने अपने बेटे की नर्सरी में एक सोफा भी लगाया है, जिस पर बेहद ही क्यूट कुशन का इस्तेमाल किया है. परिणीति चोपड़ा ने अपने बेटे की नर्सरी में मिरर वाली खिड़की लगाई है. जिससे उनके बेटे को धूप और हवा दोनों मिल सकती है. परिणीति ने अपने बेटे की नर्सरी के डेकोरेशन का खास ख्याल रखा है. उन्होंने बेटे के रूम में साइड टेबल से लेकर साइड लैंप तक का इस्तेमाल किया है. परिणीति चोपड़ा ने अपने बेटे के कमरे को सॉफ्ट टॉयज से सजाया है. परिणीति चोपड़ा ने तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा. एक्ट्रेस ने पोस्ट में लिखा,श्नीर के लिए हमारा छोटा सा सुकून का ठिकाना.श् एक्ट्रेस ने पोस्ट में आगे लिखा,श्पहली बार पेरेंट बनने पर हम चाहते थे कि हमारे बच्चे के कमरे में कदम रखते ही आपको शांति और सुकून का अहसास हो. हल्की धूप, ठंडी हवा, सौम्य रंग और एक शांत, पारंपरिक सौंदर्य, जो हम दोनों के लिए बिल्कुल सही है.श

भारत ने अगर फाइनल में दोहराई ये 4 गलतियां तो टूट सकता है खिताब का सपना

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में आखिरकार भारतीय टीम पहुंच गई है। खिताबी मुकाबले में मेजबान टीम इंडिया का सामना न्यूजीलैंड से होगा। ये मैच 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम भले ही फाइनल में पहुंच गई हो पर अगर उन्हें लगातार दूसरी बार ट्रॉफी उठानी है तो कुछ कमियों में सुधार करना होगा। अगर टीम इंडिया ने इन 4 कमियों को नहीं सुधारा तो रविवार को लेने के देने पड़ जाएंगे। इसके अलावा भारतीय टीम के लिए ओपनिंग जोड़ी बड़ी समस्या बन गई है। अभिषेक शर्मा जल्दी आउट हो रहे हैं, ऐसे में शुरुआत से ही टीम पर दबाव आ जाता है। अभिषेक को फाइनल में बड़ी पारी खेलनी होगी। फाइनल में भारतीय टीम सलामी जोड़ी में बदलाव भी कर सकती है। ईशान किशन और संजू सैमसन पारी का आगाज कर सकते हैं। भारतीय बल्लेबाज भले ही बड़ा स्कोर खड़ा कर रहे हों, पर गेंदबाज रन लुटा दे रहे हैं। विपक्षी टीम सिर्फ जसप्रीत बुमराह का सम्मान कर रही है। इसके अलावा अभी गेंदबाजों को आड़े हाथों लिया जा रहा है। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले तक एक्स फैक्टर माने जा रहे वरुण चक्रवर्ती बुरी तरह फेल होते नजर आ रहे हैं। सेमीफाइनल में उन्होंने 16 की इकोनॉमी से रन लुटाए। भारतीय गेंदबाज विपक्षी टीम को ऑल आउट नहीं कर पा रहे हैं। कोई एक बल्लेबाजी ही अगर टिक जाता है तो वह भारतीय टीम की टेंशन बढ़ जाती है। जिम्बाब्वे के सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट टिक गए थे और 97 रन बनाकर नाबाद रहे थे। वेस्टइंडीज की ओर से रोवमैन पॉवेल और जेसन होल्डर नाबाद रहे थे। अक्षर पटेल ने सेमीफाइनल में बेहतरीन कैच लेकर अपनी फील्डिंग से महफिल जरूर लूटी, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में भारतीय टीम का क्षेत्ररक्षण चिंता का विषय रहा है। सूर्या बिग्रेड ने टूर्नामेंट में अब तक 13 कैच टपकाए हैं जो कि मौजूदा वर्ल्ड कप में किसी भी टीम द्वारा सबसे ज्यादा है। फाइनल में भारतीय टीम को ध्यान रखना होगा कि अगर एक भी कैच छूटा तो कप हाथ से फिसल सकता है।

पॉप स्टार रिकी मार्टिन करेंगे परफॉर्म, अहमदाबाद में दर्शकों का करेंगे मनोरंजन

8 मार्च, रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। वहीं वर्ल्ड कप के समापन समारोह में विदेशी कलाकार अपनी प्रस्तुति देते हुए दिखेंगे। इसी कड़ी में प्यूर्टो के रिको के पॉप स्टार रिकी मार्टिन भी क्लोजिंग सेरेमनी में परफॉर्म करते हुए दिखाई देने वाले हैं।

अहमदाबाद की पिच बनेगी एक्स-फैक्टर?

काली-लाल मिट्टी की सतह तय करेगी टी20 क्रिकेट का नया चौंपियन

अहमदाबाद। भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी20 विश्व कप 2026 का फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच रेड और ब्लैक मिट्टी से बनी हाइब्रिड पिच पर होने की संभावना है, जो अच्छी बाउंस और गति दे सकती है। इससे तेज गेंदबाजों और आक्रामक बल्लेबाजों दोनों को फायदा मिल सकता है, जिससे हाई-स्कोरिंग मुकाबले की उम्मीद बढ़ गई है। टी20 विश्वकप 2026 का फाइनल आज भारत और न्यूजीलैंड के बीच शाम सात बजे से खेला जाएगा। दुनिया भर के क्रिकेट फैंस की नजरें अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर टिक गई हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाला यह मुकाबला सिर्फ दो मजबूत टीमों का टकराव नहीं होगा, बल्कि पिच की भूमिका भी मैच का रुख तय कर सकती है। ईएसपीएनक्रिकइनफो की रिपोर्ट्स के मुताबिक फाइनल के लिए जिस पिच का चयन किया गया है, वह लाल और काली मिट्टी के

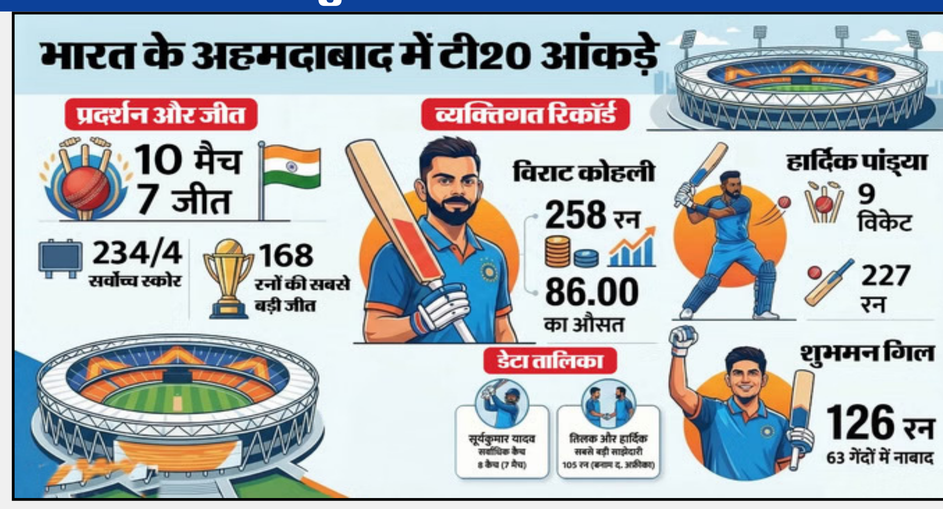

मिश्रण से बनी होगी। इस तरह की हाइब्रिड पिच आमतौर पर तेज गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों के लिए संतुलित मानी जाती है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम के बारे में जानें अहमदाबाद का मौजूदा नरेंद्र मोदी स्टेडियम पहले सरदार पटेल स्टेडियम या मोटेरा स्टेडियम के नाम से जाना जाता था। पुराने स्टेडियम की दर्शक क्षमता करीब 54,000 थी। यह स्टेडियम गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के स्वामित्व में है और वेस्ट जोन के अंतर्गत आता है। इस स्टेडियम के बनने से पहले अहमदाबाद में अंतरराष्ट्रीय मैच अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन स्टेडियम में खेले जाते थे। साल 1982 में गुजरात सरकार ने साबरमती नदी के किनारे 50 एकड़ जमीन दान में दी, जिसके बाद मोटेरा स्टेडियम का निर्माण केवल नौ महीने में पूरा कर लिया गया। यहां पहला अंतरराष्ट्रीय मैच 12 नवंबर 1983 को भारत और वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट मैच के रूप में खेला गया था। मोटेरा स्टेडियम कई ऐतिहासिक उपलब्धियों का गवाह रहा है। यहां जीएमडीसी अपर और लोअर स्टैंड, ईस्ट अपर और लोअर पवेलियन, अदाणी लोअर और अपर पवेलियन, क्लब पवेलियन और वेस्ट पवेलियन जैसे स्टैंड मौजूद हैं। अदाणी पवेलियन में 20 से अधिक एयर-कंडीशंड कॉरपोरेट बॉक्स और खिलाड़ियों के ड्रेसिंग रूम भी हैं। स्टेडियम में कुल 21 प्रवेश द्वार हैं। 2006 चौंपियंस ट्रॉफी से पहले स्टेडियम का नवीनीकरण किया गया, जिसमें अत्याधुनिक फ्लडलाइट्स, कवर स्टैंड, तीन नई पिचें और नया आउटफील्ड जोड़ा गया। यहां की पिच आमतौर पर धीमी मानी जाती है। पहले यह गेंदबाजों के लिए मददगार थी, लेकिन समय के साथ पिच धीमी हो गई, जिससे कई टेस्ट मैच ड्रॉ भी रहे। यही मैदान सुनील गावस्कर के 10,000 टेस्ट रन और कपिल देव के 432वें टेस्ट विकेट जैसी ऐतिहासिक उपलब्धियों का गवाह भी रहा है। साल 2015 में गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन ने पुराने स्टेडियम को पूरी तरह तोड़कर नए सिरे से बनाने का फैसला किया। इसके बाद आधुनिक सुविधाओं के साथ नए स्टेडियम का निर्माण शुरू हुआ और 2020 में यह तैयार हो गया, जिसकी क्षमता बढ़कर लगभग 1,32,000 दर्शकों की हो गई, जिससे यह दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम बन गया। इसके बाद 24 फरवरी 2021 को इस स्टेडियम का नाम आधिकारिक रूप से नरेंद्र मोदी स्टेडियम रखा गया। उसी दिन भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए डे-नाइट टेस्ट मैच से पहले इसका उद्घाटन किया गया। नए स्टेडियम में अत्याधुनिक फ्लडलाइट्स, बड़े पवेलियन, कई कॉरपोरेट बॉक्स और आधुनिक ड्रेसिंग रूम जैसी सुविधाएं जोड़ी गई, जिससे यह विश्व क्रिकेट के सबसे आधुनिक और विशाल मैदानों में शामिल हो गया।

मैं वाकई घबराया हुआ था...

टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी ओवर फेंकने पर शिवम दुबे ने घबराहट की बात स्वीकार की, लेकिन खुद पर भरोसे और शुरुआती दो गेंदों पर ध्यान केंद्रित कर भारत को 7 रनों से रोमांचक जीत दिलाई। इस जीत के साथ भारत ने फाइनल में जगह पक्की कर ली है, जहां उसका सामना न्यूजीलैंड से होगा।

भारत के स्टार ऑलराउंडर शिवम दुबे ने कहा कि टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी ओवर फेंकते समय उन्होंने खुद पर भरोसा रखा और 30 रनों का बचाव करते हुए दो महत्वपूर्ण गेंदें डालने पर ध्यान केंद्रित किया। दुबे ने स्वीकार किया कि वे घबराए हुए थे, लेकिन चुनौती का सामना करने के लिए तैयार थे। जैकब बेथेल पहले ही 45 गेंदों में शतक जड़ चुके थे, ऐसे में दुबे ने आत्मविश्वास पर जोर दिया, जिसने उन्हें योजना को अंजाम देने में मदद की।

बेथेल का शानदार जवाबी शतक निष्प्रभावी रहा क्योंकि गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में आईसीसी टी20 विश्व कप के रोमांचक सेमीफाइनल में टीम इंडिया ने जुझारू इंग्लैंड को सात रनों से

हराकर रविवार को अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले फाइनल में भारत की जगह पक्की कर ली। शिवम दुबे ने बीसीसीआई के एक वीडियो में कहा कि मैं बस खुद पर भरोसा रखना चाहता था। मुझे पता था कि ओवर की पहली दो गेंदें निर्णायक होंगी, इसलिए मेरा ध्यान उन्हें सही तरीके से फेंकने पर था क्योंकि इससे मैच का नतीजा तय हो सकता था। यह पहले ही तय हो चुका था कि मैं आखिरी ओवर फेंकूंगा। मैं निश्चित रूप से घबराया हुआ था - विश्व कप सेमीफाइनल का आखिरी ओवर फेंकना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है।

दुबे का आखिरी ओवर बेहद रोमांचक रहा। जैकब बेथेल पहली ही गेंद पर दूसरा रन लेने की कोशिश में रन आउट हो गए, और दुबे ने अगली दो गेंदों पर एक-एक रन देकर इंग्लैंड के लिए तीन गेंदों में 27 रन का लक्ष्य ला दिया। हालांकि दुबे ने एक वाइड गेंद फेंकी और जोफ्रा आर्चर को तीन छक्के खाने दिए, लेकिन उनकी शुरुआती तीन गेंदों ने ही भारत की जीत सुनिश्चित कर दी थी। दुबे ने भी 25 गेंदों में 43 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली, जिसमें एक चौका और दो छक्के शामिल थे, जिससे भारत 253 के विशाल स्कोर तक पहुंच सका।

मौजूदा चौंपियन भारत और न्यूजीलैंड रविवार, 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टी20 विश्व कप के फाइनल में आमने-सामने होंगे। भारत ने मुंबई में इंग्लैंड को हराकर फाइनल में जगह बनाई, जबकि न्यूजीलैंड ने कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका को करारी शिकस्त देकर फाइनल में प्रवेश किया। दोनों टीमें 2025 में चौंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भी पहुंची थीं और लगभग एक साल बाद, आईसीसी प्रतियोगिता के शिखर मुकाबले में एक बार फिर आमने-सामने होंगी।

लियोनेल मेसी को लेकर ये क्या कह गए डोनाल्ड ट्रंप, इस महान फुटबॉलर से कर दी तुलना

स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी की टीम इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर का खिताब पहली बार अपने नाम किया। इस जीत के बाद टीम के खिलाड़ियों को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में होस्ट किया। इस दौरान ट्रंप ने स्पीच दी और ये काफी वायरल है।

इस स्पीच में उन्होंने स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम लिया और मेसी के सामने ही उन्हें ग्रेट बताया। मेसी और रोनाल्डो की राइवलरी काफी पुरानी है। मेसी लगातार मुस्कुराते हुए ट्रंप की बात सुन रहे थे। इस दौरान टीम ने ट्रंप को अपनी जर्सी भेंट की। जबकि मेसी ने उन्हें रत्नजड़ित गुलाबी फुटबॉल दी।

अमेरिका राष्ट्रपति ने समारोह में कहा कि, आज मैं 2025 एमएलएस कप चौंपियन, इंटर मियामी की मेजबानी करके बेहद खुश हूं। मेरा सौभाग्य है कि मैं वह कह पा रहा हूं जो आज तक किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति को कहने का मौका नहीं मिला। व्हाइट हाउस में आपका स्वागत है, लियोनेल मेसी।

अपनी सोच के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने महान पेले से भी लियोनेल मेसी की तुलना की। उन्होंने कहा कि, मुझे ये इसलिए नहीं कहना चाहिए क्योंकि मैं बूढ़ा हो गया हूं बल्कि मैंने पेले को खेलते हुए देखा है। मुझे नहीं पता हो सकता है आप पेले से बेहतर हों। पेले बहुत अच्छे थे।

अर्थ जगत

पश्चिम एशिया संघर्ष से भारत के 11.8 अरब डॉलर के कृषि निर्यात पर कैसे खतरा?

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण शिपिंग रूट में बाधा, बीमा लागत में बढ़ोतरी और लॉजिस्टिक्स अनिश्चितता बढ़ने से भारत के करीब 11.8 अरब डॉलर के कृषि और खाद्य निर्यात पर खतरा मंडरा रहा है। 2025 में यह क्षेत्र भारत के कुल कृषि निर्यात का 21.8ः हिस्सा था। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर अब भारत के कृषि और खाद्य उत्पादों के निर्यात पर भी पड़ने लगा है। थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार, इस क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण शिपिंग रूट प्रभावित हो रहे हैं, बीमा लागत बढ़ रही है और लॉजिस्टिक्स को लेकर अनिश्चितता पैदा हो रही है। इससे भारत के लगभग 11.8 अरब डॉलर के निर्यात पर खतरा मंडरा रहा है। पश्चिम एशिया में कितना होता है कारोबार? जीटीआरआई के मुताबिक, वर्ष 2025 में भारत ने श्चिम एशिया को करीब 11.8 अरब डॉलर के कृषि और खाद्य उत्पाद निर्यात किए थे। इसमें अनाज, फल-सब्जियां, डेयरी उत्पाद और मसाले जैसे सामान शामिल हैं। यह भारत के कुल कृषि निर्यात का लगभग 21.8 प्रतिशत हिस्सा है। रिपोर्ट के अनुसार, भौगोलिक नजदीकी और बड़ी भारतीय प्रवासी आबादी के कारण खाड़ी क्षेत्र लंबे समय से भारत के खाद्य उत्पादों का प्रमुख बाजार रहा है।लेकिन मौजूदा संघर्ष के कारण समुद्री मार्गों में बाधा, बीमा प्रीमियम में वृद्धि और सप्लाई चेन में अनिश्चितता पैदा हो रही है। क्या कहते हैं आंकड़े? आंकड़ों के अनुसार, भारत ने 2025 में पश्चिम एशिया को अनाज, फल-सब्जियां और मसालों की करीब 7.48 अरब डॉलर की आपूर्ति की, जो इस श्रेणी के भारत के कुल वैश्विक निर्यात का 29.2 प्रतिशत है। इसमें चावल, केले, प्याज, दालें, मेवे, कॉफी, चाय और कई तरह के मसाले प्रमुख हैं। चावल निर्यात पर कैसे पड़ेगा सबसे ज्यादा असर? जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि सबसे ज्यादा असर चावल के निर्यात पर पड़ सकता है। भारत ने 2025 में पश्चिम एशिया को 4.43 अरब डॉलर का चावल निर्यात किया था, जो देश के कुल चावल निर्यात का 36.7 प्रतिशत है। इससे पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के किसानों पर सीधा प्रभाव पड़ सकता है। इसके अलावा भारत ने पिछले वर्ष पश्चिम एशिया को 396.5 मिलियन डॉलर के केले और 111 मिलियन डॉलर के प्याज-लहसुन का निर्यात किय।

सरकार ने निर्यातकों को राहत देने के लिए उठाया कदमय पोर्ट शुल्क में मिलेगी छूट, जानिए क्या-क्या बदला

नई दिल्ली। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच भारतीय निर्यातकों के लिए बड़ी खबर है। सरकार ने निर्यात से जुड़े अनुपालनों की समयसीमा बढ़ाने का फैसला किया है। इसके साथ ही बंदरगाहों पर शुल्क में छूट के लिए भी नए एसओपी जारी किए गए हैं।

क्या हैं ताजा अपेडट, जानने के लिए पढ़ें पूरी खबर। पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में आए व्यावधान के बीच सरकार ने निर्यातकों को राहत देने का मन बनाया है। इस बारे में सरकार की ओर से शनिवार को कुछ बड़े एलान किए गए। पिछले महीने ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के साझा हमले के बाद व्यापारिक जहाजों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई है। इस चुनौतीपूर्ण माहौल में निर्यातकों को असमंजस की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। अब उन्हें भारी नुकसान से बचाने के लिए वाणिज्य और शिपिंग मंत्रालयों ने उनके लिए अनुपालन की समयसीमा बढ़ाने और बंदरगाह शुल्कों में छूट देने का जरूरी फैसला किया है। ईरान युद्ध से क्यों बढ़ा संकट? अमेरिका और इस्राइल की ओर से ईरान पर हमला और उसके सर्वोच्च नेता आयातुल्ला खामेनेई की मौत के बाद पश्चिम एशिया में राजनीति के साथ-साथ व्यापारिक माहौल भी तनावपूर्ण हो गया। लड़ाई के बाद बीते एक हफ्ते में समुद्री और हवाई दोनों ही तरह के मालभाड़े में भारी इजाफा हुआ है। इसके साथ ही बीमा कंपनियों ने प्रीमियम भी बढ़ा दिया है। यदि यही हालात लंबे समय तक तक बनी रहती है, तो वैश्विक बाजार में भारतीय उत्पादों कीमत से जुड़ी प्रतिस्पर्धा खतरे में पड़ सकती है। जनवरी के आंकड़ों पर गौर करें तो, देश का निर्यात महज 0.61 प्रतिशत बढ़कर 36.56 बिलियन डॉलर रहा है और देश का व्यापार घाटा तीन महीने के उच्चतम स्तर 34.68 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इसके अलावा, लड़ाई शुरू होने के पहले से ही अमेरिकी टैरिफ के कारण निर्यातकों को टैरिफ की दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। निर्यातकों की मांग को देखते हुए विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने अहम कदम उठाए हैंरू ऑथराइजेशन की समयसीमा में विस्ताररू 1 मार्च 2026 से 31 मई 2026 के बीच समाप्त होने वाले एडवांस ऑथराइजेशन और ईपीसीजी ऑथराइजेशन की समयसीमा बिना किसी कंपोजिशन फीस के 31 अगस्त 2026 तक बढ़ा दी गई है। ईपीसीजी स्कीम का फायदारू ईपीसीजी (एक्सपोर्ट प्रमोशन कैपिटल गुड्स) योजना के तहत घरेलू कंपनियों को ड्यूटी-फ्री मशीनें आयात करने की अनुमति होती है, जिसके एवज में उन्हें तय निर्यात दायित्व पूरे करने होते हैं। यह नई मोहलत मौजूदा फॉरेन ट्रेड पॉलिसी के तहत मिलने वाली सुविधाओं के अतिरिक्त है। शिपिंग मंत्रालय का बंदरगाहों के लिए क्या निर्देश? केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिव न और जलमार्ग मंत्रालय ने संकट से निपटने के लिए एक विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया(एसओपी) लागू किया हैरू शुल्क में कटौती और छूटरू मंत्रालय ने बंदरगाहों को निर्देश दिया है कि वे मौजूदा परिस्थितियों के आधार पर स्टोरेज रेंट (भंडारण किराया) और चेंज ऑफवेसल चार्ज को कम करने या पूरी तरह माफ करने पर विचार करें। फास्ट-ट्रैक समाधानरू हर पोर्ट पर विभागाध्यक्ष (एचओडी) या उप-विभागाध्यक्ष स्तर का एक नोडल अधिकारी नियुक्त होगा, जिसकी जिम्मेदारी 24 से 72 घंटे के भीतर हतधारकों की समस्याओं का समाधान करना होगी। स्टोरेज और प्रायोरिटी हैंडलिंगरू मध्य पूर्व जाने वाले माल को श्ट्रांसशिपमेंट कार्गोश् के रूप में स्टोर करने की अनुमति दी जाएगी और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त जगह उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही, खराब होने वाले माल और मध्य पूर्व से लौट रहे निर्यात कार्गो को प्राथमिकता के आधार पर हैंडल किया जाएगा।

पश्चिम एशिया जंग से भारत में नहीं होगी उर्वरक की कमी, युद्ध लंबा खिंचा तो गहरा सकता है संकट

नई दिल्ली। भारत में वर्तमान में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है, लेकिन पश्चिम एशिया में लंबे समय से जारी संघर्ष भविष्य में आपूर्ति के लिए समस्याएं खड़ी कर सकता है। यह चिंता फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स त्रावणकोर लिमिटेड (थब्ज) के एक शीर्ष अधिकारी ने व्यक्त की है, जो दक्षिण भारतीय राज्यों के लिए सबसे बड़े उर्वरक आपूर्तिकर्ताओं में से एक है। देश में फिलहाल किसानों के लिए उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता है, लेकिन अगर पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष लंबे समय तक जारी रहता है तो आने वाले महीनों में समस्या पैदा हो सकती है। यह जानकारी सरकारी कंपनी फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स त्रावणकोर लिमिटेड (फैक्ट) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी है। फैक्ट दक्षिण भारत के राज्यों में उर्वरक की बड़ी आपूर्तिकर्ता कंपनी है। कंपनी उर्वरक बनाने के लिए रॉक फॉस्फेट और फॉस्फोरिक एसिड जैसे कच्चे माल पर निर्भर करती है, जो पश्चिम एशिया और मध्य पूर्व के कई देशों से समुद्री मार्ग के जरिए भारत लाया जाता है।

फिलहाल देश में यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता

कंपनी के प्रबंध निदेशक एस. सक्तिमणि ने बताया कि फिलहाल देश में यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता है और खरीफ सीजन के लिए कोई समस्या नहीं होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि युद्ध की स्थिति एक महीने के अंदर सामान्य हो सकती है। एस. सक्तिमणि के अनुसार वर्तमान में भारत में कोई फसल कटाई का मौसम नहीं है, और यह जुलाई के बाद ही शुरू होगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि खरीफ मौसम के लिए यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता है और उम्मीद है कि युद्ध की स्थिति एक महीने के भीतर सुलझ जाएगी। इससे किसानों को कोई समस्या नहीं होगी।

सप्लाई पर पड़ सकता है असर

हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यह स्थिति छह महीने तक बनी रहती है तो अगले फसल सीजन, यानी रबी सीजन में उर्वरक की सप्लाई पर असर पड़ सकता है। इस संभावना को देखते हुए सरकार और कंपनियां पहले से ही जरूरी कदम उठा रही हैं। फैक्ट न केवल मध्य पूर्व से, बल्कि ऑस्ट्रेलिया से भी गैस प्राप्त करती है। वर्तमान में गैस आपूर्ति में कोई बड़ी समस्या नहीं है, हालांकि कुछ स्थानों पर अस्थिरता है, लेकिन यह उर्वरक क्षेत्र के लिए चिंता का विषय नहीं है। अधिकारी ने यह भी बताया कि केंद्र सरकार ने विभिन्न कंपनियों से डाई-अमोनियम फॉस्फेट (व।च) और डबल सुपर फॉस्फेट (वैच) के स्टॉक की खरीद कर ली है, जिससे कोई समस्या उत्पन्न नहीं होगी।

1.4 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का स्टॉक

बताया गया है कि अभी कंपनी के पास करीब 1.4 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का स्टॉक है। मार्च और अप्रैल 2026 के दौरान कंपनी लगभग 1.5 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का उत्पादन करने की स्थिति में है। कंपनी का लक्ष्य सितंबर 2026 तक खरीफ सीजन के लिए लगभग 5.5 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का उत्पादन करना है, जबकि करीब 1 लाख मीट्रिक टन उर्वरक आयात करने की भी योजना है। कंपनी ने कहा कि किसानों को घबराने की जरूरत नहीं है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल न. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।